www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 67 ■ जशपुर, 25 अक्टूबर 2026 (रविवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रुपये

राज्योत्सव 2026, अमित शाह-मंडाविया होंगे शामिल

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। 26वें स्थापना दिवस पर नवा रायपुर के तूता मेला मैदान में 1 से 3 नवंबर तक राज्योत्सव 2026 का आयोजन होगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की संभावना है।

इस बार की थीम 'सशक्त नारी-युवा उड़ान' रखी गई है। तीन दिवसीय आयोजन में बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छाल, स्वस्ति मेहुल और अभिजीत भट्टाचार्य के परफॉर्मेंस के साथ-साथ स्थानीय कलाकार छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की झलक पेश करेंगे।

2 नवंबर को सारंग हेलीकॉप्टर और भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम एयर शो करेंगी। राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट निर्धारित किए गए हैं, जबकि अलग-अलग मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं, 3 नवंबर को राज्य अलंकरण समारोह के साथ राज्योत्सव का समापन होगा।

राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए देखें रूट

राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट निर्धारित किए गए हैं। अलग-अलग शहरों से आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जहां गाड़ियां पार्क कर दर्शक पैदल आयोजन स्थल तक पहुंच सकेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

सारंग हेलीकॉप्टर और सूर्यकिरण टीम दिखाएंगे हवाई करतब

राज्योत्सव में 2 नवंबर को होगा एयर शो

राज्योत्सव 2026 के दौरान नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में सारंग हेलीकॉप्टर और भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के एयर शो का आयोजन होगा। सूर्यकिरण टीम करीब 40 मिनट के शो में 9 विमानों के साथ फॉर्मेशन फ्लाइंग और एयरोबेटिक स्टंट्स का प्रदर्शन करेगी।

2 नवंबर को इसका आयोजन होगा। इसकी तैयारियों को लेकर रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक ली। इसमें वायुसेना के सीनियर अफसरों सहित जिला प्रशासन, नगर निगम और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

रेण नदी में डूबने से पिता-पुत्र और मेहमानी में आए दो सगे भाइयों की मौत

शनिवार को बिहार लौटने का था टिकट, क्षेत्र में शोक का माहौल

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिला मुख्यालय सूरजपुर से लगे ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर के ढोंगट घाट स्थित रेण नदी में शनिवार को नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से पिता-पुत्र और बिहार के कटिहार निवासी दो सगे भाइयों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं डूबे लोगों को नदी से बाहर निकालने में स्थानीय युवाओं ने सहयोग कर सराहनीय तत्परता दिखाई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे सूरजपुर के चंदरपुर ढूंढरा निवासी 45 वर्षीय विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह अपने पुत्र 20 वर्षीय अभिजीत सिंह तथा कटिहार से मेहमानी करने आए 15 वर्षीय कृष्ण गोपाल पिता जितेंद्र सिंह और 13 वर्षीय गोपाल कृष्ण पिता जितेंद्र सिंह के साथ दो स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीसी 9369 व सीजी 29 एई 5409 से ढोंगट घाट पहुंचे थे। यहां पर नहाने के दौरान चारों गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। चर्चा है कि, मृतक हादसे से पहले सूरजपुर स्थित महामाया मंदिर भी गए थे। बताया जा रहा है कि मृतक अभिजीत अपने पिता का इकलौता पुत्र था जबकि सगे भाई कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण भी अपने माता-पिता के दो ही संतान थे।

स्थानीय युवाओं ने दिखाई हिम्मत

हादसे के दौरान ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर निवासी मनीष सिंह पिता नाहर सिंह, कमल सिंह पिता साहेबा और गणेश सिंह पिता सूर्य नारायण सिंह ने नदी में डूबे लोगों को बाहर निकालने में सहयोग किया। संकट की घड़ी में तीनों युवाओं की तत्परता सराहनीय रही।

दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। विवेक सिंह पिछले करीब 12 वर्षों से चंदरपुर में पत्नी नेहा सिंह और बच्चों के साथ रह रहे थे। वे अडानी समूह में कार्यरत थे, जबकि उनकी पत्नी ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। पिता-पुत्र की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अभिजीत इनका इकलौता पुत्र था। वहीं दोनों सगे भाइयों गोपाल कृष्ण व कृष्ण गोपाल के पिता जितेंद्र सिंह सेना में कार्यरत बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार दोनों बच्चों का शनिवार को ही बिहार के कटिहार लौटने का टिकट बुक था। घर वापसी की तैयारी के बीच हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही बिश्रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास देशमुख, प्रधान आरक्षक जयप्रकाश तिवारी व निलेंद्र द्विवेदी, आरक्षक अजय सिंह तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इनके द्वारा चारों शवों को निकलवाकर मौका पंचनामा करके पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर में भिजवा दिया है।

ढाई ढाई साल के फॉर्मूले से कांग्रेस को हुआ नुकसान, सीएम फेस के साथ चुनाव लड़ना सही नहीं- टीएस सिंहदेव

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव शनिवार को बिलासपुर के सिरगिट्टी क्षेत्र पहुंचे. यहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. इस दौरान मीडिया से बात करते हुए टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि ढाई-ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ. ।

ढाई-ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से नुकसान-सिंहदेव

मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूछे जाने वाले सवालों पर सिंहदेव ने कहा कि पिछले कार्यकाल में ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री को लेकर मीडिया में लगातार चर्चाएं होती रहीं, जिससे काफी नुकसान हुआ. उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के चुनाव से पहले मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस तरह की चर्चाएं नहीं थीं. उस समय सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा और जनता का भरपूर समर्थन मिला.उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आगे भी इसी नीति पर चलना चाहिए. ।

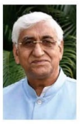

ढाई ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से नुकसान हुआ है. चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे को पहले से सामने रखने की आवश्यकता नहीं है. पार्टी जिसे जिम्मेदारी देगी, वह उसे संभालेगा. सभी को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए- टीएस सिंहदेव

जनता से लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी-सिंहदेव

सिंहदेव ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि लोगों से निरंतर जुड़ाव बनाए रखना जरूरी है. चुनाव के समय जनता के बीच पहुंचने से वह संबंध नहीं बन पाता, जो लगातार संपर्क में रहने से बनता है. उन्होंने कहा कि जो लोग कांग्रेस के साथ हैं,वे पार्टी के साथ बने रहते हैं, लेकिन सामान्य नागरिकों से भी लगातार संवाद बनाए रखना जरूरी है. ।

यदि कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय लोगों के बीच पहुंचते हैं, तो इससे अवसरवादिता का संदेश जाता है. इसलिए मंडल और सेक्टर स्तर के पदाधिकारियों को आम नागरिकों के बीच नियमित रूप से जाना चाहिए. उनके सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए- टीएस सिंहदेव, पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिले सिंहदेव

इससे पहले टीएस सिंहदेव ने कांग्रेस के सिरगिट्टी मंडल अध्यक्ष अजय मनहरे और सेक्टर अध्यक्ष शैलेष सेंगर के घर पहुंचकर मुलाकात की. उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर हालचाल जाना. इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती, जनता से निरंतर संपर्क और आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर अपनी बात रखी. टीएस सिंहदेव ने कहा कि सिरगिट्टी आने का कार्यक्रम पहले से तय था, लेकिन समयाभाव के कारण पहले यहां नहीं पहुंच पा रहे थे. आज अपने लोगों के बीच आने का अवसर मिला, जिससे उन्हें काफी अच्छा लगा. उन्होंने कहा कि उन्हें भाषण देने के बजाय लोगों के बीच बैठकर बातचीत करना और उनके सुख-दुख को जानना अधिक पसंद है।

PWD का बड़ा एक्शन, 2 ठेकेदारों और 6 उप अभियंताओं को भेजा नोटिस

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव में लापरवाही को लेकर लोक निर्माण विभाग (PWD) ने सख्त रुख अपनाया है। शेरपार-मानपुर-कोहका सड़क के अधूरे निर्माण कार्यों, गुणवत्ताहीन सड़क और जगह-जगह उखड़ी सतह को लेकर विभाग ने दो ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों ठेकेदारों को 15 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सड़क के रखरखाव में लापरवाही को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बालोद के छह उप अभियंताओं को भी नोटिस जारी किया गया है। सभी उप अभियंताओं को तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा।

सड़क की गुणवत्ता में मिली खामियां

जानकारी के अनुसार, शेरपार-मानपुर-कोहका सड़क के निर्माण और रखरखाव को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों ने निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और रखरखाव से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। जांच में पाया गया कि सड़क के कुछ निर्माण कार्य अधूरे हैं। इसके अलावा सड़क की सतह कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किए जाने की बात भी सामने आई है। इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए लोक निर्माण विभाग ने संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की है।

15 दिनों के भीतर जवाब देंगे दोनों ठेकेदार

लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण से जुड़े दोनों ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता, रखरखाव और सड़क सुरक्षा से संबंधित कमियों को लेकर संबंधित ठेकेदारों से स्पष्टीकरण लिया जाएगा। खास बात यह है कि शेरपार-मानपुर-कोहका सड़क अभी परफॉर्मेंस गारंटी अवधि में है। इस अवधि में सड़क की गुणवत्ता और निर्धारित शर्तों के अनुसार रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित अनुबंध की शर्तों के तहत तय होती है। ऐसे में गारंटी अवधि के दौरान सड़क की सतह क्षतिग्रस्त होने और निर्माण संबंधी कमियां सामने आने को विभाग ने गंभीरता से लिया है।

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

लोक निर्माण विभाग के अनुसार, उप अभियंताओं की ओर से निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। विभागीय जांच और जवाबों के परीक्षण के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल ठेकेदारों और उप अभियंताओं को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है।

स्मृति इरानी और सिद्धार्थ शंभू का दौरा : 25-26 को - 36 हारी सीटों पर मंथन, मंत्रियों के कामकाज का मूल्यांकन होगा

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह-प्रभारी सिद्धार्थ शंभू अपने पहले छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान दो दिन में 12 महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें करेंगे। 25 और 26 अक्तूबर को होने वाली इन बैठकों में राज्य सरकार के मंत्रियों के कामकाज के मूल्यांकन के साथ संगठन के जमीनी फीडबैक पर चर्चा की जाएगी। इस प्रवास का मुख्य केंद्र वर्ष 2023 के चुनाव में हारी हुई 36 सीटों की समीक्षा करना रहेगा, ताकि वर्ष 2028 के चुनाव से पहले संगठन को निचले स्तर तक सशक्त बनाया जा सके।

प्रदेश प्रभारी इस दौरान सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा करेंगी। बैठकों के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की धरातलीय स्थिति के मध्य तालमेल को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। वर्ष 2023 के राज्य विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 90 में से 54 सीटों पर सफलता प्राप्त कर सरकार बनाई थी, जबकि 36 सीटों पर पराजय मिली थी। इन सभी 36 निर्वाचन क्षेत्रों में पराजय के कारणों और सांगठनिक कमजोरियों की समीक्षा की जाएगी।

विभागीय कामकाज और लक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा

बैठकों में मंत्रियों को अपने विभागों की उपलब्धियों और योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इस समीक्षा में घोषित योजनाओं के धरातलीय प्रभाव और निर्धारित समय में लक्ष्यों की पूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिन विकास परियोजनाओं में विलंब हुआ है या कार्य लंबित पड़े हैं, उनके कारणों की पड़ताल की जाएगी।

इसके अतिरिक्त 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत आरंभ की गई योजनाओं की स्थिति, स्वीकृत व पूर्ण परियोजनाओं, आवंटित बजट के उपयोग और लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच का ब्योरा मांगा जाएगा। जिन विभागीय योजनाओं में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, उनके लिए नई समय सीमा तय की जाएगी। साथ ही जनशिकायतों, प्रशासनिक अड़चनों और लंबित मामलों पर भी बातचीत होगी।

प्रभार वाले जिलों और जनसंपर्क का हिसाब

मंत्रियों की कार्यकुशलता का आकलन केवल विभागीय उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रभार वाले जिलों में उनकी सक्रियता का भी मूल्यांकन होगा। मंत्रियों से पूछा जाएगा कि वे अपने प्रभार वाले जिलों का नियमित प्रवास कर रहे हैं या नहीं और वहां प्रत्येक माह समीक्षा बैठकें बुलाई जा रही हैं या नहीं। कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों की शिकायतों के निवारण हेतु उठाए गए कदमों का विवरण भी लिया जाएगा।

जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विधायकों और सांसदों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर मंत्रियों के प्रस्तुतीकरण का सत्यापन किया जाएगा। यदि प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय या कार्यकर्ताओं की अनदेखी की शिकायतें सामने आती हैं, तो उन पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। इसके साथ ही नेताओं की सोशल मीडिया सक्रियता और योजनाओं के प्रचार में उनकी भूमिका को भी देखा जाएगा।

आईजी ने पूछा-791 केस में कैसे बरी हुए आरोपी

- पॉक्सो में पीड़िता पलटी तो होगी कार्रवाई, एनडीपीएस में लापरवाही पर हुए नाराज
- एक साल से लटके केस को जल्द निपटाने का दिया निर्देश

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा ने गुरुवार को जिला कोरिया में संभाग स्तरीय दो बड़ी बैठकों में अपराध और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। पहली बैठक में दोषमुक्ति के 791 प्रकरणों की गहन पड़ताल हुई, वहीं दूसरी बैठक में रेंज के सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ लंबित अपराधों और नई कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बता दें कि, जुलाई-अगस्त माह में सेशन न्यायालय के 221 और लोअर न्यायालय के 570, कुल 791 मामलों में आरोपी बरी हो गए थे। आईजी दीपक कुमार झा ने हर जिले के अधिकारियों से पूछा कि दोषमुक्ति का वास्तविक कारण क्या था? उन्होंने कहा कि विवेचना की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन और अभियोजन की कमियों को दूर कर दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ाना होगा। उन्होंने हर जिले में नियमित समीक्षा करने को कहा। अईजी ने चिंता जताई कि बलात्कार और पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्धि कम है। उन्होंने निर्देश दिया कि पीड़िता के धारा 164 सीआरपीसी और 183 बीएनएसएस के तहत दर्ज कथन को नियमानुसार साक्ष्य के रूप में न्यायालय में प्रदर्शित कराया जाए। अगर पीड़िता विचारण के दौरान पलटती है या पक्षद्रोही होती है तो नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही अगर कोई एफआईआर झूठी पाई जाए तो साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय से खात्मा, खारिजी लेकर झूठी शिकायत करने वालों पर भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने ई-प्रॉसिक्यूशन के जरिए अभियोग पत्र समय से पहले अभियोजन अधिकारी को देने को कहा ताकि तकनीकी खामी का लाभ आरोपी को न मिले। उन्होंने सात साल से अधिक सजा वाले अपराधों में एफएसएल टीम से घटनास्थल निरीक्षण और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए।

दूसरे चरण में हुई पुलिस अधीक्षकों की बैठक

दूसरे चरण में आईजी ने एक साल से अधिक लंबित अपराध, लंबित खात्मा, एमआरएम, जीआरएम, एनसीआरपी, साइ-ट्रेन पोर्टल, एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स), सड़क हादसों की रोकथाम, नेटग्रिड, ई-समंस, ई-साक्ष्य, प्रशिक्षु एसआई के प्रशिक्षण और पुलिसकर्मियों के कल्याण योजनाओं की समीक्षा की। सभी जिलों को समयबद्ध निराकरण और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी/एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल, एसएसपी जशपुर लाल उमेद सिंह, एसपी कोरिया हरीश राठौर, एसपी बलरामपुर वैभव बैंकर, एसपी एमसीबी रत्ना सिंह सहित रेंज के अधिकारी और लोक अभियोजन अधिकारी मौजूद रहे।

एनडीपीएस और साइबर क्राइम पर नाराजगी

आईजी दीपक कुमार झा ने अपराधों की समीक्षा के क्रम में पाया कि एनडीपीएस एक्ट के कुछ मामलों में अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा। इस पर आईजी ने कड़ी आपत्ति और नाराजगी जताई। उन्होंने इकाई स्तर पर रिफ्रेशर ट्रेनिंग कराने के लिए कहा।

मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम का खिलाड़ी को मिल रहा है लाभ

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उल्लेखनीय विगत माह 28 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान जशपुर में 3 करोड़ 52 लाख की लागत से मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम का शुभारंभ किया था।

जशपुर के खिलाड़ियों को मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में शतरंज कैरम, और टेबल टेनिस का अभ्यास कर सकेंगे। जशपुर के खिलाड़ियों को क्रिकेट, बास्केटबॉल,फूटबाल, हॉकी, कबड्डी, टेबल टेनिस सहित अन्य खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अंबिकापुर से हैदराबाद के लिए 27 अक्टूबर से सीधी हवाई सेवा शुरू, विंटर शेड्यूल जारी

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। दरिमा एयरपोर्ट से रायपुर और जगदलपुर होते हुए हैदराबाद जाने वाली नई विमान सेवा 27 अक्टूबर से शुरू होने जा रही है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) से अनुमति मिलने के बाद एलायंस एयर (Alliance Air) ने इस विंटर शेड्यूल का आधिकारिक ऐलान कर दिया है और कंपनी की ओर से टिकटों की बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। इस नई सेवा के शुरू होने से अंबिकापुर सीधे तौर पर रायपुर, जगदलपुर और हैदराबाद से जुड़ जाएगा।

सप्ताह में 3 दिन चलेगी उड़ान

यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन—मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होगी। वर्तमान में यह फ्लाइट रायपुर से हैदराबाद के बीच चल रही है, जिसे अब विस्तार देकर अंबिकापुर तक जोड़ा गया है। एलायंस एयर ने फिलहाल अंबिकापुर से रायपुर के लिए बुकिंग शुरू कर दी है, और बुकिंग पोर्टल में आवश्यक अपडेट के बाद यात्री सीधे अंबिकापुर से हैदराबाद तक के लिए भी टिकट बुक कर सकेंगे।

फ्लाइट का पूरा शेड्यूल

- हैदराबाद से प्रस्थानः सुबह 09:30 बजे (जगदलपुर और रायपुर होते हुए)
- अंबिकापुर आगमनः दोपहर 01:20 बजे
- अंबिकापुर से वापसीः दोपहर 02:05 बजे
- रायपुर आगमनः दोपहर 03:05 बजे (प्रस्थान समय के अनुसार)
- जगदलपुर आगमनः शाम 04:25 बजे
- हैदराबाद आगमनः शाम 06:10 बजे

दरिमा एयरपोर्ट के डायरेक्टर डॉ. सुशील श्रीवास्तव ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि एलायंस एयर द्वारा विंटर शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इससे इस क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी।

वाराणसी रूट का भी प्रस्ताव

एलायंस एयर ने इससे पहले मार्च 2026 में अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए उड़ानें शुरू की थीं, जिन्हें कम यात्री संख्या के कारण सितंबर में बंद कर दिया गया था। हालांकि, वर्तमान में सोमवार और बुधवार को अंबिकापुर से बिलासपुर होते हुए दिल्ली के लिए फ्लाइट संचालित हो रही है। एयरलाइन के विमानों की स्थिति दुरुस्त होने के बाद अब सेवाएं नियमित कर दी गई हैं।

इसके साथ ही, एलायंस एयर ने रायपुर-अंबिकापुर-वाराणसी फ्लाइट का भी प्रस्ताव तैयार किया है। डीजीसीए से हरी झंडी मिलने के बाद इस रूट पर भी जल्द विमान सेवा शुरू होने की संभावना है।

डबल मर्डर का आरोपी एक दिन की पुलिस रिमांड के बाद जेल दाखिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कालोनी निवासी शिक्षिका और उसके बेटे के हत्या के आरोपी प्रवेश कुमार को पुलिस ने शनिवार को एक दिन का न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर देर शाम पुन: जेल दाखिल करा दिया है। बताया जा रहा है कि शनिवार को पुलिस ने न्यायालय से आरोपी प्रवेश का एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया था। पुलिस सुबह से आरोपी को अपने साथ लेकर कुछ शेष समानों की बरामदगी किया और फिर देर शाम पुन: उसे जेल दाखिल करा दिया है। आज दूसरे दिन आरोपी के चेहरे पे थोड़ी सी भी शिकन नहीं दिखी और देखने से उसके चेहरे के भाव से सबकुछ पहले जैसा सामान्य प्रतीत हो रहा था।

28 अक्टूबर को मुख्यमंत्री का ग्राम पंचायत चिरंई में प्रवास प्रस्तावित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का 28 अक्टूबर को शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत चिरंई में आगमन प्रस्तावित है। इसके मद्देनज़र कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज कार्यक्रम स्थल पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हेलीपैड स्थल, मंच, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, आवागमन, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी तैयारियाँ निर्धारित तिथि से पूर्व समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएँ और विभागीय समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन किया जाए, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न हो सके।

चांगरों में जीराफूल चावल पर संवाद

किसानों और समूह की दीदियों को आर्थिक संबल देने का संकल्प

जैविक जीराफूल चावल से समृद्ध होंगे चांगरो के किसान, विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा व कलेक्टर ने विशेष कार्ययोजना बनाकर ब्रांडिंग का दिया भरोसा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम चांगरो में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर आत्मीय चर्चा की। गांव के कृषक वर्षों से जीराफूल चावल की जैविक खेती कर इस पारंपरिक धरोहर को सहेजे हुए हैं। अतिथियों ने किसानों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक उत्साह के साथ खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीराफूल चावल एक पारंपरिक, सुगंधित और छोटे दाने वाली किस्म है, जिसके पतले दाने जीरे के समान होने के कारण इसे यह नाम मिला है। मार्च 2019 में जीआई टैग प्राप्त यह चावल अपने प्राकृतिक मीठेपन और मनमोहक सुगंध के लिए विख्यात है, जिसकी खुशबू पकते समय आसपास के घरों तक फैल जाती है। हल्का और सुपाच्य होने के साथ ही यह क्षेत्र के सबसे महंगे चावलों में शुमार है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक है।

सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने ग्रामीणों को

रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चांगरो का जीराफूल चावल हमारी अनमोल पहचान है और इसकी सुगंध को केवल जिले तक सीमित न रखकर राज्य और देशभर में पहुँचाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस खेती से जुड़े किसानों और महिलाओं की समृद्धि के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि राज्य शासन के सहयोग से जीराफूल चावल की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित की जाएगी, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने बताया कि संगठित तरीके से खेती और विपणन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर चांगरो के जीराफूल चावल की प्रभावी ब्रांडिंग की जाएगी। शंकरगढ़ क्षेत्र के लगभग 30 गांवों में इसकी खेती हो रही है, जिसके उत्पादन क्षेत्र का विस्तार करने का प्रयास भी किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जीराफूल उत्पादक किसानों और इस कार्य से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रशासन हर आवश्यक कदम उठाएगा।

चांगरो में जीराफूल की खेती से 10 स्व सहायता समूह सक्रिय रूप से जुड़े हैं, जिनमें प्रत्येक समूह में 12 से 15 महिलाएँ कार्यरत हैं। कलेक्टर ने इन समूहों को शंकरगढ़ में स्थापित आत्मनिर्भर बलरामपुर एफ्पीओ (किसान उत्पादक संगठन) से जोड़ने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को कम लागत पर उच्च गुणवत्ता की कृषि सामग्री एवं सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। किसानों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्र में राइस मिल तथा पारंपरिक लकड़ी की ढेंकी के आधुनिक स्वरूप इलेक्ट्रिक ढेंकी की स्थापना पर भी चर्चा की गई।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह का डीईओ ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह का जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा द्वारा निरीक्षण किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि डीईओ द्वारा विद्यालय की अध्ययन शैली की जानकारी ली गई। संस्था के बच्चों का भाषाई दक्षता, गणितीय संक्रियाओं सहित पहाडा, ककहरा व पुस्तक पठन-पाठन की भी जानकारी ली गई।

संस्था प्रमुख द्वारा संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों के भाग लेने एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में संभाग का नेतृत्व करने की बात बताई। डीईओ द्वारा उपस्थित बच्चों को माता-पिता तथा गुरूजन के बताए मार्ग पर चलने, प्रतिदिन विद्यालय पढ़ने आने, पढ़ी गई विषय वस्तु को शाम के समय बैठकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। आपने उपस्थित बच्चों को सतत रूप से पठन-पाठन से जुड़े रहने हेतु कहा गया। उन्होंने संस्था के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था, आंतरिक एवं बाह्य साज-सज्जा, विद्यालय की प्रिंट रिच व्यवस्था, किचन गार्डन, केलाबाड़ी, सक्रिय बाल कैबिनेट, इको एवं यूथ क्लब इत्यादि का निरीक्षण कर इसे अन्य विद्यालयों हेतु अनुकरणीय बताया। आगामी दिनों में विकासखंड के अन्य संकुलों की बैठक यहां लेकर स्कूलों की शैक्षिक सुधार हेतु प्रेरित करने की बात कही गई। इस दौरान सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह, खंड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल, संकुल समन्वयक विजेंद्रलाल जायसवाल, एसएमसी अध्यक्ष कौशिल्या राजवाड़े, पूर्व अध्यक्ष एनवति राजवाड़े, शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो व अन्य उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा वीरगाथा 6.0 के निबंध प्रतियोगिता में क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान

प्राप्त क्रमश: शुभम विश्वकर्मा, वंदना राजवाड़े तथा सानिया यादव, भाषण में पायल राजवाड़े प्रथम, वर्षा राजवाड़े द्वितीय तथा सुनीता सिंह तृतीय, चित्रकला में प्रथम शांति सिंह, द्वितीय विनीता राजवाड़े, तृतीय दिविका विश्वकर्मा, स्वच्छता एवं पर्यावरण आधारित चित्रकारी में प्रथम शांति सिंह, द्वितीय दिवीका विश्वकर्मा तथा तृतीय कविता सिंह रहे, जिन्हें कॉपी-पेन देकर सम्मानित किया गया।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, आठ रेत लोड वाहन जब्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर

कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को माइनिंग अधिकारी के नेतृत्व में अवैध खनिज परिवहन करते पाए जाने पर 11 वाहनों पर कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत राजापुर में 8 टीपर रेत लोडकर अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कार्यवाही की गई है। जब्त वाहनों को जयनगर पुलिस की अभिरक्षा में सौंपा गया है द्य ज्ञात हो कि 15 अक्टूबर के बाद से रेत तस्करों द्वारा खुले आम बेखौफ तरीके से नदियों में वाहन उतारकर रेत का परिवहन किया जा रहा है। जिले से रोज सैकड़ों मिनी ट्रक रेत संभाग मुख्यालय अंबिकापुर ले जाया जा रहा है।

निधन आरएस गिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के सेवानिवृत्त फोरमैन इंचार्ज आरएस गिल का शनिवार को निधन हो गया, वे 92 वर्ष के थे। वे पिछले दो तीन माह से अस्वस्थ चल रहे थे। स्व. गिल बिश्रामपुर आमगांव में पदस्थ वरिष्ठ ओवर मैन लखनवीर सिंह गिल उर्फ बब्बू, बंत गिल के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा।

शरद पूर्णिमा पर कोयलांचल में गूंजेगा बाबा श्याम का जयकारा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शरद पूर्णिमा के अवसर पर बिश्रामपुर का माहौल बाबा श्याम की भक्ति और भजनों की मधुर धुन से भक्तिमय होने जा रहा है। श्री श्याम सलोना परिवार बिश्रामपुर की ओर से सोमवार 26 अक्टूबर को शाम 7.30 बजे नगर के अग्रसेन भवन में तृतीय वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में उत्साह है। कार्यक्रम में बाबा श्याम का आकर्षक दरबार सजाने के साथ अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी और छप्पन भोग अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। श्याम संकीर्तन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। बाबा के दरबार में इत्र वर्षा और फूलों की वर्षा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगी।

वहीं भक्तों के लिए श्याम रसोई की व्यवस्था भी की गई है, ताकि श्रद्धालु बाबा के दर्शन और भजनों का आनंद लेने के साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें।इस भव्य संकीर्तन में बाबा श्याम का गुणगान करने हरियाणा के राहुल शर्मा कनानी, जशपुर जिले के कोटबा से संदीप शर्मा तथा कोरबा की कल्याणी मित्तल पहुंचेंगी। इन भजन गायकों की प्रस्तुतियों से पूरा आयोजन श्याममय होने की उम्मीद है। वहीं राहुल अग्रवाल द्वारा बाबा श्याम का भव्य एवं मनमोहक श्रृंगार किया जा रहा है, जो दरबार की दिव्यता को और खास बनाएगा।श्री श्याम सलोना परिवार बिश्रामपुर ने क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा श्याम के दर्शन करने, भजनों का आनंद लेने और इस भक्तिमय आयोजन का सहभागी बनने की अपील की गई है। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित यह वार्षिक उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का विशेष अवसर बनेगा।

श्रम विभाग की पहल से श्रमिक को मिला 22,500 रुपए का लंबित पारिश्रमिक, दोनों पक्षों की सहमति से कार्यालय में कराया गया भुगतान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्रमिकों के हितों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में श्रम विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आवेदक श्री महानन्द कुशवाहा का मजदूरी कार्य का पारिश्रमिक लंबित होने पर उन्होंने भुगतान हेतु कार्यालय श्रम पदाधिकारी, बलरामपुर में आवेदन प्रस्तुत किया था।

प्रकरण दर्ज कर विभाग ने दोनों पक्षों को सूचित करते हुए कार्यालय में उपस्थित होने को कहा। आज 23 अक्टूबर को दोनों पक्षों की उपस्थिति में हुई चर्चा के बाद वे मजदूरी राशि अदा करने पर एकमत हुए, जिसके पश्चात् श्रम पदाधिकारी के समक्ष श्रमिक को 22,500 रुपए की मजदूरी राशि का भुगतान कराया गया। श्रम पदाधिकारी ने नियोजकों एवं मालिकों से अपील की है कि श्रमिक समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और उनसे कार्य लेने पर समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करना नियोजक का दायित्व है। ऐसा न करने की स्थिति में श्रम अधिनियमों के अंतर्गत दंड एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही का प्रावधान है।

मां-बेटे की निर्मम हत्या से क्षेत्र में शोक, कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कालोनी में मां-बेटे की निर्मम हत्या की घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना में जान गंवाने वाले मां-बेटे को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कांग्रेस मंडल कमेटी शिवनन्दनपुर के तत्वाधान में बिश्रामपुर बस स्टैंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही इस जघन्य अपराध में संलिप्त आरोपी को फांसी की सजा दिए जाने की मांग उठाई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित नेताओं ने कहा कि मां-बेटे की हत्या की घटना बेहद दुखद और विचलित करने वाली है। इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देती हैं। एक मां और उसके बेटे की इस तरह निर्मम हत्या से क्षेत्र के लोगों में गहरा दुख व्याप्त है। नेताओं ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार के दुख की भरपाई संभव नहीं है, सख्त से सख्त दंड मिलना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत हो। नेताओं ने कहा कि

लेकिन न्याय सुनिश्चित करना समाज और कानून व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद सदस्य सुभाष गोयल ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए मांग किया कि मामले की निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों में दोष सिद्ध होने पर कानून के तहत किसी भी सभ्य समाज में हिंसा और जघन्य अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसी घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ अपराधियों को कानून के दायरे में लाकर न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक है। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गोयल सहित रमेश दनोदिया, नरेंद्र जैन राजू सिंह, आशीष यादव एवं अन्य कांग्रेस नेताओं ने मामले में जिला पुलिस की तत्परता और गंभीरता की सराहना की। नेताओं ने पुलिस प्रशासन द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त कर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक घटनाओं में पुलिस की त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष जांच बेहद महत्वपूर्ण होती है। इससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत होती है और आम नागरिकों का कानून व्यवस्था पर भरोसा बना रहता है।कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं उपस्थित लोगों ने मां-बेटे को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में पवन अग्रवाल, राजू सिंह, मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद चंदन सिंह, नगर पंचायत उपाध्याय अंशुल गोयल, विनय सिंह, रामलाल सोनी, पार्षद अहमद वाहिद, विजेंद्र सिंह, लखन सोनी, रामनारायण सिंह, रामआश्रय यादव, मेहताब आलम, मंठू राम सांडिल्य, असगर अली, विनय यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्राथमिक शाला जशवन्तपुर का किया अवलोकन, शिक्षकों को समय सारणी के पालन और पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज प्राथमिक शाला जशवन्तपुर का अवलोकन कर विद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, अध्यापन व्यवस्था तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से कक्षावार पढ़ाई की स्थिति पर

चर्चा कर शिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर मजबूत शैक्षणिक नींव ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है, इसलिए इस स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा कक्षाओं में उनकी शत-प्रतिशत सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक बच्चा सीखने की प्रक्रिया से सक्रिय रूप से जुड़ सके। श्रीमती त्रिपाठी ने शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण करने, स्वयं की नियमित उपस्थिति बनाए रखने तथा समय सारणी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुशासित और व्यवस्थित अध्यापन से ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में अपेक्षित सुधार संभव है।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी एवं अनुविभागीय अधिकार रा. श्री अनमोल विवेक टोप्पो उपस्थित थे।

गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग-रेना जमील

माँ महामाया शक्कर कारखाना में हुआ गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला

कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर गन्ना उत्पादन बढ़ाने किया प्रोत्साहित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गन्ना उत्पादन, रकबा विस्तार, रिकवरी बढ़ाने, किसानों को समय पर भुगतान तथा कारखाने के सुचारू संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अनुविभागीय अधिकारी रमेश मोर, कारखाना प्रबंधन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। किसानों ने गन्ने के भुगतान में देरी, खेती की बढ़ती लागत, श्रमिकों की उपलब्धता तथा कारखाने के संचालन से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप क्रियान्वयन की जाएगी। उन्होंने किसानों को शासन द्वारा 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि दर के बारे में अवगत कराया तथा शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग हैं। किसानों के सहयोग एवं उत्पादन पर ही कारखाने का संचालन निर्भर करता है। उन्होंने जिले में गन्ने के घटते उत्पादन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में लगभग 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती थी, जो घटकर लगभग 6 हजार हेक्टेयर रह गई है। उन्होंने कहा कि कारखाने की स्थापित क्षमता का वर्तमान में 50 प्रतिशत भी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

पर्याप्त मात्रा में गन्ने की उपलब्धता सुनिश्चित होने से कारखाने का संचालन अधिक दिनों तक किया जा सकेगा, जिससे किसानों के साथ स्थानीय श्रमिकों को भी लाभ मिलेगा। वर्तमान में लगभग 600 श्रमिकों को तीन माह तक रोजगार मिल पा रहा है, जबकि कारखाने का पूर्ण क्षमता से संचालन होने पर रोजगार की अवधि छह माह तक बढ़ सकती है। कलेक्टर ने गन्ने से शक्कर की रिकवरी दर पर चर्चा करते हुए कहा कि पूर्व विगत वर्षों में रिकवरी लगभग 14 प्रतिशत रही है वर्तमान में रिकवरी लगभग 9 प्रतिशत है, इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने विगत दो-तीन वर्षों से रिकवरी में आ रही गिरावट के कारणों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाने की बात कही। उन्होंने गन्ने की गुणवत्ता, कटाई एवं पेराई के बीच समय-अंतराल कम करने पर विशेष जोर देते हुए कटाई के 48 घंटे के भीतर गन्ने की पेराई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने किसानों को शरदकालीन गन्ने की खेती, उन्नत कृषि तकनीक एवं ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से कहा कि जिले में खाद आवश्यक मात्रा में उपलब्ध है। गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी तथा किसानों को आवश्यकता के अनुरूप कृषि संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को किसानों के लिए प्रक्षेत्र भ्रमण, फसल प्रदर्शन कराने के निर्देश दिए। कार्यशाला में कारखाना प्रबंधक ने शक्कर के विक्रय एवं किसानों को भुगतान की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार से शक्कर विक्रय की अनुमति चरणबद्ध तरीके से प्राप्त होती है, जिसके कारण विक्रय से राशि भी किस्तों में प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि भुगतान की प्रक्रिया में शासन के निर्धारित प्रावधानों का पालन करते हुए किसानों को प्राथमिकता से भुगतान करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यशाला में किसानों को गन्ना विकास योजना, उन्नत उत्पादन तकनीक, सिंचाई प्रबंधन एवं उत्पादन वृद्धि के उपायों की जानकारी भी दी गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के समाधान तथा गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक करते हुए किसानों से अपील की है कि वे नाबालिगों को वाहन चलाने न दें तथा शराब के नशे में वाहन चलाने से स्वयं बचें अन्य लोगों को भी प्रेरित करे। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

शब्दबीज का अनूठा प्रयोग, शब्द उत्सव में गांव की गलियों से कक्षा तक सीखने का चल रहा उत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्राथमिक शालाओं में संचालित शैक्षिक नवाचार शब्दबीज के तहत शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में शनिवार को बैगलेस डे के अवसर पर साप्ताहिक शब्द उत्सव का आयोजन किया गया। प्रधानपाठक गौतम शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर स्थानीय परिवेश के प्रत्यक्ष अवलोकन और गतिविधियों के माध्यम से अब तक सीखे गए शब्दों की पुनरावृत्ति कराई गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गांव के आसपास के स्थानीय परिवेश का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्होंने धान, चावल, जमीन, कोठार और पत्थर जैसी परिचित वस्तुओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। बच्चों को इन वस्तुओं के नाम, पहचान और उपयोग से जोड़कर शब्दों का अर्थ समझाया गया। इससे उन्हें शब्दों को केवल याद करने के बजाय वास्तविक जीवन की वस्तुओं से जोड़कर समझने का अवसर मिला।

विद्यालय परिसर में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ठेला, बोरी, गेहूं, महकना और फूंक मारना जैसे शब्दों की पुनरावृत्ति कराई गई। बच्चों ने वस्तुओं को देखकर, गतिविधियों में भाग लेकर और अपने अनुभव साझा करते हुए शब्दों को समझा। इस रोचक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण प्रक्रिया ने बच्चों की जिज्ञासा बढ़ाने के साथ उनकी शब्द पहचान, समझ और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में शिक्षिका श्रीमती मंजू कुजूर का विशेष सहयोग रहा। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ शब्द उत्सव की गतिविधियों में भाग लिया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब सीखने की प्रक्रिया को बच्चों के आसपास के परिवेश और दैनिक जीवन से जोड़ा जाता है, तो शिक्षा अधिक सहज, रुचिकर और प्रभावी बन जाती है। शब्दबीज नवाचार के माध्यम से विद्यालय में शब्द सीखने की प्रक्रिया को अनुभव, गतिविधि और व्यवहार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बच्चे नए शब्दों को समझने के साथ उनका दैनिक जीवन में भी प्रयोग कर सकें।

राष्ट्रीय पुलिस झण्डा दिवस पर रस्सा खींच प्रतियोगिता में उत्साह से शामिल हुए पुलिस अधिकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में 31 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पुलिस झण्डा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस शहीदों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ पुलिस की भूमिका एवं योगदान के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल की उपस्थिति में यहां पुलिस लाइन में विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों की दो टीमों के बीच रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में अधिकारियों ने पूरे उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भाग लिया। इस आयोजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों में आपसी समन्वय, टीम भावना और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय पुलिस झण्डा दिवस पुलिस के शहीदों के शौर्य, साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करने तथा उनके योगदान से नई पीढ़ी को परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शैक्षणिक संस्थानों में पुलिस के वीर शहीदों की शौर्यगाथाओं और उनके योगदान की जानकारी दी जाएगी। साथ ही ह्लराष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिकाह्व विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों एवं आमजन को पुलिस के कर्तव्यों, दायित्वों और राष्ट्र के प्रति समर्पण से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की खेलकूद गतिविधियां न केवल शारीरिक क्षमता को बेहतर बनाती हैं, बल्कि आपसी सहयोग, अनुशासन, टीम भावना और कार्यक्षमता को भी मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, एसडीओपी प्रतापपुर अनूप एक्का, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, स्टेनो पुष्पेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न थाना-चौकी प्रभारी तथा पुलिस लाइन एवं जिले के विभिन्न थानों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सस्ती दवाएं और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्राथमिकता हों: राज्यपाल रमेन डेका

एपिकॉन-2026 में नकली दवाओं पर रोक और छत्तीसगढ़ की वनौषधियों पर वैज्ञानिक शोध पर दिया जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, -राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ती दवाएं, किफायती इलाज और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इसके लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकताओं को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने तथा छत्तीसगढ़ की वनौषधियों और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल शनिवार को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन ह्यएपिकॉन-2026ह्ण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम माना जाना चाहिए। दवाओं की कीमत आम लोगों की पहुंच में होनी चाहिए और चिकित्सकों को मरीजों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए।

जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक ज्ञान पर शोध जरूरी

डेका ने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों का महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और दस्तावेजीकरण कर आधुनिक शोध के आधार पर उपयोगिता का आकलन किया जाना चाहिए।

नकली दवाएं स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा

राज्यपाल ने नकली दवाओं को मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में फामेर्सी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और दवा उद्योग को जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इंटरनेट का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिक चिंतन और नैतिक मूल्यों को महत्व देने की अपील की।

संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिताः परसोड़ी ने मेंड्रा को 2-0 से हराया, सरगुजा इलेवन-रेलवे करंजी का मैच ड्रॉ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 के सुपर लीग मुकाबलों में परसोड़ी ने मेंडरा को 2-0 से शिकस्त दी, जबकि सरगुजा इलेवन और रेलवे करंजी के बीच खेला गया दूसरा मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा। प्रतियोगिता के चौथे दिन पहले मुकाबले में परसोड़ी और मेंडरा की टीमें आमने-सामने थीं। परसोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में एक गोल की बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में भी टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा और एक और गोल दागकर 2-0 से जीत दर्ज की। दिन का दूसरा मुकाबला सरगुजा इलेवन और रेलवे करंजी के बीच

खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ गोल करने के कई प्रयास किए। दूसरे हाफ में भी मुकाबला रोमांचक रहा और दोनों ओर से लगातार हमले हुए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। अंततः मुकाबला 0-0 से बराबर रहा और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। मैचों के दौरान निर्णायक दिनेश तिर्की, सुशील, ललित किशोर और राम बहादुर लांबा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सचिव दीपक कुजूर तथा उप सचिव दिनेश जायसवाल और कमलेश किस्पोट्टा भी मौजूद थे।

आज होंगे दो मुकाबले

प्रतियोगिता के अगले दिन पहला मैच तालपारा और बालसेड़ी के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरे मुकाबले में कपसरा की भिड़ंत कोटेया से होगी।

केदमा में पेड़ एक-जीवन अनेक अभियान शुरू, 50 फलदार पौधे रोपे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

केदमा (उदयपुर)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उज्ज्वल हसदेव-उन्नत सरगुजा समाजसेवी संस्था, अंबिकापुर ने ह्यपेड़ एक-जीवन अनेकह्व वृक्षारोपण एवं संवर्धन अभियान शुरू किया है। इसके तहत उदयपुर विकासखंड के आदिवासी ग्राम केदमा स्थित विद्युत सब स्टेशन परिसर में 50 फलदार पौधे रोपे गए। साथ ही पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केदमा के उपसरपंच मूलचंद अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य नागेश्वरी सिंह, वन विभाग के वनपाल गिरीश बहादुर सिंह और विद्युत विभाग के लाइनमैन मोहर साय उपस्थित रहे। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष संतोष दास सरल ने की। अभियान के दौरान आम, जामुन, सीताफल, अमरूद और शहतूत सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इसमें स्कूली विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वृक्षों का संरक्षण भी जरूरी : अग्रवाल

मुख्य अतिथि मूलचंद अग्रवाल ने कहा कि संस्था द्वारा वृक्षारोपण के साथ उनके संवर्धन का संकल्प लेना अत्यंत सराहनीय है। पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी जरूरी है। जनपद सदस्य नागेश्वरी सिंह ने कहा कि अभियान से स्कूली बच्चों को जोड़कर पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की संस्था की पहल सराहनीय है। उन्होंने संस्था को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर चलाने की अपील की। संस्था के अध्यक्ष संतोष दास सरल ने अतिथियों, ग्रामीणों और विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी पेड़ एक-जीवन अनेक अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण के लिए प्रयास जारी रखेगी।

जल संसाधन विभाग में बड़ा फेरबदल, 15 अधिकारियों के तबादले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल संसाधन विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जारी तबादला सूची में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और अनुविभागीय अधिकारी स्तर के कुल 15 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। तबादलों के तहत कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कुछ को अलग-अलग जल संसाधन संभागों में पदस्थ किया गया है। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, धमतरी, जशपुर, कवर्धा, गरियाबंद, बेमेतरा और जगदलपुर समेत कई क्षेत्रों में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

CGWRD

कई संभागों में बदली अधिकारियों की जिम्मेदारी

तबादला सूची के अनुसार, आर.के. बंजारे को जल संसाधन मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता पद से हटाकर मुख्य अभियंता कार्यालय, हसदेव कछार जल संसाधन विभाग, बिलासपुर में अधीक्षण अभियंता की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, टी.आर. मेश्राम को मुख्य अभियंता कार्यालय, महानदी परियोजना रायपुर से जल संसाधन संभाग मनेंद्रगढ़-भरतपुर भेजा गया है। मनेंद्रगढ़-भरतपुर में कार्यपालन अभियंता के रूप में कार्यरत एन.सी. सिंह को मुख्य अभियंता कार्यालय, मिनीमाता हसदेव बांगो परियोजना, बिलासपुर में पदस्थ किया गया है। एल.डी. रैकवार को महासमुंद जिले के पिथौरा स्थित जल संसाधन उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग जशपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रायपुर, कसडोल और धमतरी में भी बदलाव

शिव कुमार गिलहरे को रायपुर के सिविल लाइन स्थित जल संसाधन उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग कसडोल बनाया गया है। बी.एल. खण्डेल को भाटापारा उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग धमतरी की जिम्मेदारी दी गई है।

सम्पादकीय

कुछ तो गंभीर चल रहा है सावधानी रखनी होगी

वैश्विक कूटनीति और आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर पिछले कुछ समय से जो सुगबुगाहट चल रही थी, वह अब एक बेहद खतरनाक और सुनियोजित नेटवर्क के रूप में सामने आने लगी है। अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट 'ग्लोबल केऑस इंक ग्रोज टू 101 ग्रुप्स' ने जिन तथ्यों को उजागर किया है, वे न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि दुनिया के लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी भी हैं। फ्रांस की सड़कों पर भड़के दंगे और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के तार आपस में जुड़े हुए हैं। यह कोई स्थानीय या स्वतः स्फूर्त जनाक्रोश नहीं, बल्कि 9 देशों के 101 संगठनों का एक ऐसा 'सीक्रेट नेटवर्क' है, जिसका मकसद लोकतांत्रिक सरकारों को अस्थिर करना और अराजकता फैलाना है। इस पूरे खेल को समझने के लिए इसके फंडिंग और वैचारिक पैटर्न को देखना होगा। रिपोर्ट में इस नेटवर्क को 'रेड-ग्रीन प्रोटेस्ट इकोसिस्टम' नाम दिया है, जहां 'रेड' (वामपंथी-कम्युनिस्ट ताकतें) और 'ग्रीन' (इस्लामी संगठन) एक साझा एजेंडे के तहत साथ आए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस अराजकता की आर्थिक कमान चीन के शंघाई में बैठे अमेरिकी मूल के टेक कारोबारी नेविल रॉय सिंघम के हाथों में बताई जा रही है। सिंघम पर पहले भी भारत विरोधी नैरेटिव और वामपंथी संगठनों को फंडिंग करने के आरोप लगते रहे हैं। अब उनकी पत्नी और 'कोडपिंक' की सह-संस्थापक जोडी इवांस के बयानों से साफ है कि फ्रांस, स्पेन और भारत के प्रदर्शनों को एक सोची-समझी रणनीति के तहत हवा दी जा रही है, ताकि आम जनता को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया जा सके। इस कूटनीतिक और सुरक्षात्मक विमर्श का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि इस नेटवर्क ने युवाओं और छात्रों को सबसे बड़ा हथियार बनाया है। 101 संगठनों में से 33 का नेतृत्व छात्र समूहों के पास होना और 20 नवंबर को यूरोप में प्रस्तावित 'इंटरनेशनल यूथ स्ट्राइक' इस बात का सबूत है कि युवाओं की ऊर्जा को पूंजीवाद और लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ मोड़ने की गहरी साजिश रची जा रही है। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग हो या भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ 'चुनाव आयोग' पर हमला, दोनों का पैटर्न एक जैसा है। संस्थाओं की विश्वसनीयता को खत्म करो और अराजकता का माहौल बनाओ। भारत के परिप्रेक्ष्य में सियासी घमासान शुरू हो गया है। सत्तापक्ष जहां इसे देश के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय साजिश बता रहा है, वहीं विपक्ष इसे ध्यान भटकाने की कवायद करार दे रहा है। राजनीति अपनी जगह हो सकती है, लेकिन एक संप्रभु राष्ट्र के नाते भारत इस प्रकार के इनपुट को हल्के में नहीं ले सकता। अतीत में भी टूलकिट और विदेशी फंडिंग के जरिए देश के आंतरिक माहौल को बिगाड़ने के प्रयास देखे जा चुके हैं। जब विदेशी ताकतें देश के भीतर चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को निशाना बनाने लगें, तो यह मामला दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सुरक्षा का बन जाता है। कहा जा सकता है कि वैश्विक पटल पर 'कुछ तो गंभीर चल रहा है।' दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते भारत को अधिक सावधानी रखनी होगी। खुफिया एजेंसियों को डिजिटल मैप्स, टेलीग्राम नेटवर्क्स और विदेशी फंडिंग के स्रोतों पर पैनी नजर रखनी होगी, ताकि देश की संप्रभुता पर कोई आंच न आए। अगर आज इस 'अराजकता के सिंडिकेट' को नहीं रोका गया, तो आने वाले समय में लोकतंत्रों को बचाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

मुद्दा
रविन्द्र श्रीवास्तव

लोकतंत्र का लुप्त होता स्तंभः जवाबदेही

> सभी संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकतम शक्तियों और स्वतंत्रता की मांग की है, लेकिन जवाबदेही या तो बिल्कुल नहीं चाही है या उसे न्यूनतम रखने की इच्छा दिखाई है। संस्थाओं की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उन्हें जवाबदेही से छूट मिल जाए। लोकतंत्र तीन परिचित स्तंभों के माध्यम से कार्य करता है- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। मीडिया को चौथा स्तंभ माना जाता है, यद्यपि संविधान के अंतर्गत नहीं, बल्कि अपनी अनिवार्य भूमिका के कारण। लेकिन एक और सिद्धांत है, जिसके बिना ये स्तंभ जनता का विश्वास बनाए नहीं रख सकते। वह सिद्धांत है जवाबदेही। यही वह अनुशासन है, जो लोकतंत्र की प्रत्येक संस्था के कामकाज में समाहित होना चाहिए।

एक विचित्र विरोधाभास सामने आता है। सभी संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकतम शक्तियों और स्वतंत्रता की मांग की है, लेकिन जवाबदेही या तो बिल्कुल नहीं चाही है या उसे न्यूनतम रखने की इच्छा दिखाई है। संस्थाओं की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उन्हें जवाबदेही से छूट मिल जाए। लोकतंत्र तीन परिचित स्तंभों के माध्यम से कार्य करता है- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। मीडिया को चौथा स्तंभ माना जाता है, यद्यपि संविधान के अंतर्गत नहीं, बल्कि अपनी अनिवार्य भूमिका के कारण। लेकिन एक और सिद्धांत है, जिसके बिना ये स्तंभ जनता का विश्वास बनाए नहीं रख सकते। वह सिद्धांत है जवाबदेही। यही वह अनुशासन है, जो लोकतंत्र की प्रत्येक संस्था के कामकाज में समाहित होना चाहिए। किसी लोकतंत्र में चुनाव हो सकते हैं, स्वतंत्र न्यायपालिका, संवैधानिक निकाय और विस्तृत कानून भी हो सकते हैं। फिर भी, यदि सार्वजनिक शक्ति का प्रयोग करने वाले लोग अपनी शक्तियों के उपयोग के तरीके के प्रति पर्याप्त रूप से जवाबदेह नहीं हैं, तो धीरे-धीरे नागरिकों का विश्वास कम हो सकता है।

लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा केवल शक्ति का दुरुपयोग नहीं है, बल्कि ऐसी शक्ति भी है, जिसके प्रयोग का कोई स्पष्टीकरण न हो, जिसमें पारदर्शिता का अभाव हो और जिसके दुरुपयोग या विफलता के कोई परिणाम न हों। इस बात पर कोई दो राय नहीं हो सकती कि न्यायपालिका कार्यपालिका से स्वतंत्र होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग राजनीतिक दलों और सरकारों से स्वतंत्र होना चाहिए। संवैधानिक प्राधिकारियों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। संसद को कार्यपालिका के कार्यों की जांच और समीक्षा करने में सक्षम होना चाहिए। फिर भी, इनमें से प्रत्येक संस्था अपनी वैधता संविधान से और अंततः जनता से प्राप्त करती है। भारत में लोकतंत्र का संचालन कई कठिन सच्चाइयों को सामने लाता है। सब कुछ ठीक नहीं है। लोग यह प्रश्न क्यों पूछते हैं कि क्या गलत हो रहा है? उन्हें इन प्रश्नों के उत्तर मिलने चाहिए। जनता का विश्वास जवाबदेही की माँग करता है। जवाबदेही समस्या नहीं, बल्कि समाधान है। हालांकि, भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऐसे तंत्र विकसित करना है, जो संस्थाओं की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखते हुए उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित करें। जवाबदेही की दिशा में पहला कदम पारदर्शिता है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 ने नागरिकों को जानने का अधिकार दिया है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को इससे एक कदम आगे बढ़ना होगा। जानने का अधिकार, प्रश्न पूछने के अधिकार में बदलना चाहिए और प्रश्न पूछे जाने के बाद संस्थाओं का यह कर्तव्य होना चाहिए कि वे उत्तर दें और अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें।

भारत को व्यापक सार्वजनिक चर्चा के बाद एक स्वतंत्र संवैधानिक जवाबदेही आयोग स्थापित करने पर विचार करना चाहिए। इस आयोग के गठन में पर्याप्त संवैधानिक सुरक्षा उपाय होने चाहिए और इसे राजनीतिक तथा कार्यपालिका के दैनिक हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त रखा जाना चाहिए। इस आयोग का उद्देश्य न्यायिक निर्णयों के विरुद्ध अपील सुनना या संवैधानिक प्राधिकारियों के वैध कार्यों तथा विवेकाधिकार में हस्तक्षेप करना नहीं होना

चाहिए। इसका कार्यक्षेत्र अधिक सीमित, लेकिन अधिक बुनियादी होना चाहिए। इसमें संस्थाओं द्वारा अपनी संवैधानिक और वैधानिक जिम्मेदारियों के अनुपालन की निगरानी करना, व्यवस्थागत कमियों की पहचान करना, निष्कर्ष प्रकाशित करना तथा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सुझाव देना शामिल होना चाहिए।

प्रत्येक प्रमुख संवैधानिक संस्था को वार्षिक संवैधानिक प्रदर्शन रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में स्पष्ट और आसानी से समझ में आने वाले तरीके से जानकारियां दी जानी चाहिए। इन रिपोर्टों को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए और जनता के लिए भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिस कार्य का पारदर्शी ढंग से मापन किया जाता है, उसके जिम्मेदारीपूर्वक किए जाने की संभावना अधिक होती है। संस्थागत शक्ति के सबसे कम पहचाने जाने वाले रूपों में से एक है-निर्णय लेने में देरी करने की शक्ति। जहां संविधान या कानून किसी संवैधानिक पदाधिकारी को निर्णय लेने का दायित्व सौंपता है, वहां जहां तक संवैधानिक रूप से संभव हो, उस शक्ति के प्रयोग के लिए एक उचित अधिकतम समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। यह सिद्धांत विशेष रूप से उन मामलों में महत्त्वपूर्ण है, जहां देरी से लोकतांत्रिक शासन, विधायी कार्यप्रणाली या नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विवेकाधिकार का अर्थ अनिश्चितकाल तक निष्क्रिय बने रहने की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। बेशक, प्रत्येक संवैधानिक निर्णय को किसी कठोर समय-सीमा में बाँधना न तो संभव है और न ही आवश्यक। संवैधानिक मामलों की जटिलता के कारण कभी-कभी पर्याप्त विचार-विमर्श की आवश्यकता होती है। लेकिन वैध विचार-विमर्श और जानबूझकर की जाने वाली टालमटोल के बीच अंतर होना चाहिए। संवैधानिक शासन में चुप्पी और देरी को निर्णय लेने के विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जवाबदेही सुनिश्चित करने के सबसे सरल और प्रभावशाली उपायों में से एक है - निर्णयों के कारण बताने की अनिवार्यता। किसी नागरिक को हमेशा अपनी इच्छानुसार परिणाम प्राप्त करने का अधिकार नहीं हो सकता। लेकिन जब किसी महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक शक्ति का प्रयोग किया जाता है, तो सामान्यतः नागरिक को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया। कारणयुक्त निर्णय लेने से एक साथ तीन उद्देश्यों की पूर्ति होती है- पारदर्शिता, अनुशासन और जनता का विश्वास। इसके अतिरिक्त, जहां आवश्यक हो, ऐसे निर्णयों की प्रभावी संवैधानिक और न्यायिक समीक्षा करना भी संभव होता है। निस्संदेह, कुछ परिस्थितियों में गोपनीयता या संवैधानिक आवश्यकताओं के कारण अपवाद उचित हो सकते हैं। लेकिन अपवाद इस नियम को ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। परिणामों के बिना जवाबदेही केवल विफलताओं का लेखा-परीक्षण बनकर रह जाती है। यदि कोई व्यवस्था लगातार या जानबूझकर की गई विफलताओं की पहचान तो करती है, लेकिन उसके बाद कोई सार्थक संस्थागत कार्रवाई नहीं होती, तो अंततः संस्थाओं को यही संदेश मिलता है कि जवाबदेही केवल औपचारिकता है। हालांकि, इन परिणामों की व्यवस्था अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार की जानी चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोकतंत्र यह आश्वासन भी है कि सार्वजनिक शक्ति सौंपी गई प्रत्येक व्यक्ति उसका प्रयोग संवैधानिक सीमाओं के भीतर करेगा, आवश्यकता पड़ने पर उसके प्रयोग का स्पष्टीकरण देगा, वैध जाँच और समीक्षा को स्वीकार करेगा। सभी संस्थाओं और उनकी शक्तियों के साथ कर्तव्य जुड़े होते हैं। जवाबदेही उन शक्तियों का अभिन्न अंग है।

(लेखक सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन

रोहित माहेश्वरी

कानून व्यवस्था को चुनौती देते गैंगस्टर

देश में संगठित अपराध और गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियां कानून-व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन चुकी हैं। हाल में साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सिंडिकेट और अन्य आपराधिक गिरोहों ने देश के कई राज्यों में सुरक्षा एजेंसियों की नाक में दम कर रखा है। फिल्म अभिनेताओं, राजनेताओं और व्यापारियों को निशाना बनाकर सरेआम की जा रही फायरिंग और हत्या की वारदातों ने शासन-प्रशासन के इकबाल पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। यह बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के बाद सबसे पहला सवाल यही था कि क्या बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का पुराना ख़ौफ़ लौट रहा है। क्या यह हमला बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड के पुराने ख़ौफ़ की वापसी का संकेत है या इसे एक अलग घटना के तौर पर देखा जाना चाहिए? देश में कानून-व्यवस्था के समानांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं।

यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खामियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यह उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों और लोक व्यवस्था का हवाला देते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 303 लागू की है, जिसके तहत लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधियों को गुजरात की साबरमती जेल से बाहर ले जाने या मुंबई पुलिस की प्रत्यक्ष कस्टडी में देने पर रोक है। इस वजह से जांच एजेंसियां केवल जेल के अंदर ही पूछताछ कर पा रही हैं, जिससे बड़ी साजिशों का पूरी तरह पर्दाफाश करने में बाधा आ रही है। सर्वोच्च अदालत भी गैंगस्टर कानूनों की संवैधानिक वैधता और संगठित अपराधों से निपटने के प्रावधानों की समीक्षा कर रही है ताकि पुलिस व प्रशासन बिना किसी कानूनी अड़चन के इन असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कस सके। गैंगस्टरों और अपराधियों पर पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं अपराधियों में कानून का डर पैदा करने और जनता में सुरक्षा की भावना बहाल करने के लिए विभिन्न राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय और जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से पूरी तरह अभेद्य बनाना बेहद जरूरी हो गया है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

धैर्य और संतोष ही सुखी जीवन के आधार

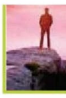

संकलित
दर्शन

मानव स्वभाव से सौम्य, संवेदनशील और सहयोगी प्राणी है। उसके भीतर प्रेम, करुणा, सहानुभूति और परोपकार की भावनाएं विद्यमान रहती हैं, लेकिन जब वह आवेग, क्रोध और अनियंत्रित इच्छाओं के वशीभूत हो जाता है, तब उसका विवेक कमजोर पड़ने लगता है। क्षणिक आवेश में लिया गया निर्णय कभी-कभी उसके पूरे जीवन को संकट में डाल देता है। इसलिए जीवन में थोड़ी-सी सावधानी, विचारों पर नियंत्रण और आत्मजागृति का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य यदि समय रहते अपने मन की चंचलता को पहचान ले और गलत दिशा में बढ़ते कदमों को रोक दे, तो अनेक अनर्थों से बच सकता है। जीवन की वास्तविक सफलता केवल उपलब्धियां प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और विचारों को संतुलित रखने में भी निहित है। मनुष्य का स्वभाव स्थायी रूप से बुरा नहीं होता। परिस्थितियां, मानसिक तनाव, क्रोध, लोभ और आवेग कभी-कभी उसे ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित कर देते हैं, जिनका पश्चाताप उसे बाद में होता है। आवेग एक ऐसा प्रवाह है, जो व्यक्ति की विचारशक्ति को अपने साथ बहा ले जाता है। उस समय सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए विवेक खो बैठता है और ऐसा कदम उठा लेता है, जिसकी कीमत उसे लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। इसलिए जब मन में क्रोध या प्रतिशोध की भावना प्रबल हो, तब तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ समय रुकना चाहिए।

भगवान चढ़ाया गया भोग कैसे खाते हैं

संकलित
प्रेरणा

क्या भगवान हमारे द्वारा चढ़ाया गया भोग खाते हैं? यदि खाते हैं, तो वह वस्तु समाप्त क्यों नहीं हो जाती? और यदि नहीं खाते हैं, तो भोग लगाने का क्या लाभ? एक युवा शिष्य ने पाठ के बीच में अपने गुरु से यह प्रश्न किए, गुरु ने तत्काल कोई उत्तर नहीं दिया। वे पूर्ववत पाठ पढ़ाते रहे, उस दिन उन्होंने पाठ के अन्त में एक श्लोक पढ़ाया:

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात पूर्णमुदच्यते। पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥

पाठ पूरा होने के बाद गुरु ने शिष्यों से कहा कि वे पुस्तक देखकर श्लोक कंठस्थ कर लें। एक घंटे बाद गुरु ने प्रश्न करने वाले शिष्य से पूछा कि उसे श्लोक कंठस्थ हुआ कि नहीं? उस शिष्य ने पूरा श्लोक शुद्ध-शुद्ध गुरु को सुना दिया। फिर भी गुरु ने सिर नहीं में हिलाया, तो शिष्य ने कहा कि वे चाहें, तो पुस्तक देख लें, श्लोक बिल्कुल शुद्ध है। गुरु ने पुस्तक देखते हुए कहा- श्लोक तो पुस्तक में ही है, तो तुम्हारे दिमाग में कैसे चला गया? शिष्य कुछ भी उत्तर नहीं दे पाया। तब गुरु ने कहा- पुस्तक में जो श्लोक है, वह स्थूल रूप में है। तुमने जब श्लोक पढ़ा, तो वह सूक्ष्म रूप में तुम्हारे दिमाग में प्रवेश कर गया, उसी सूक्ष्म रूप में वह तुम्हारे मस्तिष्क में रहता है। और जब तुमने इसको पढ़कर कंठस्थ कर लिया, तब भी पुस्तक के स्थूल रूप के श्लोक में कोई कमी नहीं आई। इसी प्रकार पूरे विश्व में व्याप्त परमात्मा हमारे द्वारा चढ़ाए गए निवेदन को सूक्ष्म रूप में ग्रहण करते हैं, और इससे स्थूल रूप के वस्तु में कोई कमी नहीं होती। उसी को हम प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।

अंतर्मन

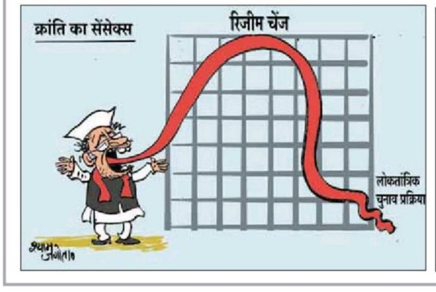

आज की पाती

नशे में डूबता पंजाब

पंजाब में आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नशे का मुद्दा उठाकर वादा किया था कि सरकार बनने पर 3 महीने के भीतर पंजाब को नशामुक्त कर दिया जाएगा। पंजाब विधानसभा चुनाव-2022 के दौरान आम आदमी पार्टी ने सत्ता तो हासिल कर ली, लेकिन नशा मुक्त पंजाब का वादा अधूरा ही है। पंजाब देश के प्रमुख गेहूं उत्पादक और सिंचित कृषि क्षेत्रों में शामिल है, लेकिन आज उसी धरती का युवा नशे के दलदल में फंसकर अपना भविष्य खो रहा है। नशे की लत से परिवारों की जमा-पूंजी खत्म हो जाती है, इलाज और नशे की पूर्ति के लिए कर्ज बढ़ता है और कई परिवार गरीबी के दलदल में फंस जाते हैं, जिससे पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट झेलता है। दुखद यह है कि अगर कोई नशे के खिलाफ बोलता है, तो उसकी हत्या कर दी जाती है।

- अशोक वर्मा, सिरसा

ट्रेंड

भारत-पोलैंड स्टार्टअप ब्रिज

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की। हम 'भारत-पोलैंड स्टार्टअप ब्रिज' स्थापित करने और अपने युवाओं के लिए प्रौद्योगिकी हैकाथॉन आयोजित करने पर सहमत हुए हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रेहान की फोटो प्रदर्शनी

दिल्ली के बीकानेर हाउस में रेहान वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटा दी गईं। बीकानेर हाउस राजस्थान सरकार की संपति है। यानी, भाजपा सरकार की देखरेख में एक युवा कलाकार की कला को दबाया गया, जो कि बेहद निंदनीय है।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

स्वतंत्रता सेनानी की जयंती

स्वतंत्रता सेनानी और अमर शहीद अशफाकुल्ला खान की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि के प्रति उनका अटूट प्रेम आज भी एक मिसाल है। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

सैमसन की बल्लेबाजी

जब भी मैं संजू सैमसन को बल्लेबाजी करते देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि उनका बल्ला सेट-अप के दौरान बहुत ज्यादा बंद रहता है, जिससे उनके आउट-स्विंग गेंदों पर आउट होने का खतरा बढ़ जाता है। वह जिस तरह से इसे संभालते हैं, वह काबिले तारीफ है।
- इरफान पठान, क्रिकेटर

करंट अफेयर

नवरात्रि समारोहों में शामिल हुए न्यूयार्क के मेयर ममदानी

अमेरिका के इलिनॉय राज्य में एक मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की साजिश नाकाम किए जाने के कुछ दिन बाद न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने यहां भारतीय मूल के हिंदू समुदाय के लोगों के साथ नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा मनाई तथा लोगों से नफरत के खिलाफ एकजुट होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपील की। ममदानी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'इस सप्ताह मुझे क्वींस में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों के साथ नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशैं और विजयादशमी मनाने का सौभाग्य मिला।' उन्होंने कहा, 'हमने गरबा किया, आरती में हिस्सा लिया, सिंदूर खेला की रस्म देखी और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। शहर के विभिन्न मंदिरों में लोगों के साथ मिलकर खुशी और श्रद्धा के इस उत्सव में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात थी, खासकर इसलिए कि पिछले सप्ताह ही इलिनॉय के एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की कोशिश की गई थी।' मेयर ने कहा, ''आइए, हम सभी नफरत के खिलाफ खड़े होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपनी साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए एकजुट हों। जय माता की।' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में ममदानी भारतीय मूल के लोगों के साथ गरबा करते और मंदिरों में पूजा-अर्चना तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेते दिखाई दिए।

ऑफ बीट

भविष्य के आहार में आयरन जैसे तत्वों की कमी होगी

आयरन की कमी दुनिया भर में पोषक तत्वों की कमी के सबसे आम रूपों में से एक है। जैसे-जैसे लोग वनस्पति आधारित आहार अपनाने पर विचार करेंगे, आयरन की कमी का खतरा बढ़ने की संभावना होगी। इससे पता चलता है कि अगर खाद्य उत्पादन और आपूर्ति के 'वैश्विक पैटर्न' नहीं बदले, तो 2040 तक आहार में आयरन की कमी हो सकती है। इसका मतलब है कि हमें अपने आहार में आयरन की कमी को दूर करना होगा। ब्रेड और अनाज जैसे सामान्य खाद्य पदार्थ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ में पहले से ही अतिरिक्त पोषक तत्व हैं। वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में अक्सर उच्च मात्रा में फाइबर और फाइटेट होते हैं, जो शरीर की आयरन को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर देते हैं। साबुत अनाज, नट, बीज, फलियां और पत्तेदार साग जैसे वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में आयरन भरपूर होता है और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन की तुलना में कम आसानी से अवशोषित होता है। मिश्रित आहार यानी सब्जियां, अनाज और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थ जैसे कुछ मछलियों, लाल मांस या मुर्गे का सेवन आयरन अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है।

AFFIDAVIT FOR NAME CHANGE

I Anuj Kumar Dubey, S/O Ram Kumar Dubey, Resident of. house no. 48/7, Ring road, mission chowk shaheed Chandra Shekhar azad ward no.-16, Ambikapur, post: Ambikapur, dist surguja, Chhattisgarh, 497001 hereby declare that have changed my name from Anuj Kumar dubey S/O Ram Kumar Dubey to Dr. Anuj Kumar dubey S/O Ram Kumar Dubey in all the government approved identity proofs to be used for various purposes in the future

Deponent

Name: Dr. Anuj Kumar Dubey address: house no. 48/7, Ring road, Mission Chowk, Shaheed Chandra shekhar azad Ward no-16,Ambikapur, post-Ambikapur, Disst-Surguja, Chhattisgarh Pin-497001.

प्रेम प्रसंग के चलते शादी का झांसा देकर युवक ने महिला को किया गर्भवती

प्रसूता ने बेटी को दिया जन्म युवक दे रहा जान से मारने की धमकी

संवाददाता

बिंदकी, फतेहपुर ,प्रदेश के रायबरेली जनपद के लालगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की निवासिनी महिला ने फतेहपुर जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खजुहा कस्बे के निवासी एक युवक के ऊपर निरंतर 2 वर्षों तक शारीरिक शोषण करने के पश्चात विवाह न करने का आरोप लगाया पीड़ित महिला ने नजदीकी पुलिस चौकी खजुहा समेत अन्य स्थानों में भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जहां अपना पल्ला झाड़ते हुए प्रशासन में नाम मात्र की कार्यवाही करते हुए जांच की स्थिति में डाल दिया परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई वहीं महिला ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत मंडल एवं जनपद के पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र भेजो पीड़ित महिला ने बताया कि वह पूर्व काल में बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र के खजुहा कस्बे में अपनी बहन के यहां रहती थी जहां उसे अपने प्रेमजाल में कस्बे के रानी सागर क्षेत्र निवासी युवक राजन गोस्वामी पुत्र कन्हैयालाल गोस्वामी ने फांस लिया निरंतर शादी का झांसा देता रहा तथा लगातार दो वर्षों तक शारीरिक शोषण किया शोषण के बाद भी महिला के साथ युवक ने विवाह नहीं किया जहां परिजनों ने महिला का विवाह रायबरेली जनपद के लालगंज निवासी एक युवक से कर दिया परंतु विवाह के बाद भी प्रेमी युवक लगातार महिला को ब्लैकमेल करते हुए उसके वीडियो फोटो सोशल मीडिया में अपलोड कर देने की बात बताते हुए शारीरिक शोषण करता रहा महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि प्रेमी युवक पति के न होने पर महिला के ससुराल भी जाता रहा जहां पति की गैर मौजूदगी में महिला प्रेमी युवक से गर्भवती हो गई

महामहोत्सव अंतर्गत शिव महिमा की अविरल गाथा का गुणगान श्रवण कर रहे भक्तगण

महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज ने भक्ति पथ को बताया मोक्ष धाम

संवाददाता

फतेहपुर ,जनपद के मलवां विकासखंड अंतर्गत गांव रेवाड़ी बुजुर्ग की सब्जी मंडी प्रांगण में चल रहे नव दिवसीय आध्यात्मिक महा महोत्सव में शिव पुराण की विस्तृत व्याख्या करते हुए मंच पर विराजमान महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज ने भक्तों को भगवान शिव की महिमा का विस्तृत वर्णन सुनाया कथा व्यास महामंडलेश्वर ने भगवान शिव का पूजन तथा शिवलिंग के विषय में विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान शिव स्वयं निराकार स्वरूप है जहां भक्तगण श्रद्धा से भगवान शिव की आराधना करते हुए भय मोह क्रोध तथा अहंकार से विरक्त हो जाते हैं निराकार स्वरूप ईश्वर के प्रति आस्था तथा समर्पण करते हुए मनुष्य मोक्ष पद को प्राप्त करता है वहीं शिव महिमा का बखान करते हुए कथा व्यास ने भगवान शिव का त्याग तपस्या करुणा आदि समझाते हुए अनेक प्रसंगों को प्रस्तुत किया विगत दिवस कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष आशीष मिश्रा समेत सभी वरिष्ठ आगंतुकों ने महा आरती करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक शिक्षक डॉ प्रशांत पाण्डेय उदयभान गुप्ता रजय सिंह ऋतिक अंकित रवि मिश्रा पियूष दीक्षित समेत भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे

शपथ पत्र

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मैं अनुज कुमार दुबे आ. राम कुमार दुबे अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता रामकुमार दुबे, निवासी मकान नं0-48/7, रिंग रोड, मिशन चौक, शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड नं0 16. अम्बिकापुर, पोस्ट ऑफीस अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०, पिन नं0-497001, रख लिया हूँ। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय / अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता राम कुमार दुबे से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता

डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता रामकुमार दुबे, निवासी मकान नं0-48/7, रिंग रोड, मिशन चौक, शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड नं० 16, अम्बिकापुर, डाकघर- अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०, पिन 497001

उत्तरप्रदेश में विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव संपन्न

मंत्री स्वतंत्र देव और सपा प्रमुख अखिलेश ने भी डाला वोट

अमरोहा में सबसे ज्यादा 93.8 फीसदी तो मुरादाबाद में 75.31 प्रतिशत हुआ मतदान

कुल 14.18 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे

एजेंसी ⏭ लखनऊ

प्रदेश के 72 जिलों में डाले गए वोट, 27 को आएंगे नतीजे

मतदान प्रतिशत में वृद्धि संभव

यूपी में विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया है। फतेहपुर, फतेहाबाद, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, गोरखपुर समेत कई जिलों में सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक हुई है। 4 बजे तक 64.24% मतदान हुआ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इटावा के सैफई में वोट डाला। कुल 14.18 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

72 जिलों में मतदान हुआ। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन 2026 में शाम चार बजे तक अमरोहा जिले में सबसे अधिक 93.8 प्रतिशत मतदान हुआ।

मुरादाबाद में 75.31 प्रतिशत, रामपुर में 74.86 प्रतिशत और संभल जिले में 71.80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों के अनुसार, संभल और अमरोहा में मतदान के आंकड़ों में बदलाव हो सकता है। पोलिंग पार्टियों के अंतिम रिकॉर्ड का मिलान होने के बाद मतदान का अंतिम प्रतिशत स्पष्ट होगा।

मंत्री स्वतंत्र देव ने सपा को घेरा

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन में जिला परिषद उरई में बने मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने भाजपा की जीत का दावा करते हुए सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्नातक और शिक्षक निर्वाचन का सदन महत्वपूर्ण है, जहां शिक्षकों और स्नातकों की समस्याओं को उठाकर समाधान कराया जाता है।

भाजपा के गुंडे या फिर भ्रष्ट अधिकारी को आगे किया: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मैं मतदाताओं से अपील कर रहा हूं वोट से लोकतंत्र बचेगा। भाजपा के लोग निराश हैं। सपा के लोगों को रोकने के लिए भाजपा के गुंडे या भ्रष्ट अधिकारी लगे हैं।

लखनऊ जाकर कर लूंगा इस्लाम कबूल: अग्रवाल

आगरा शिक्षक खंड से सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने मतदान के दौरान गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए। सपा प्रत्याशी फूट-फूटकर रो दिए। उन्होंने कह दिया कि वह लखनऊ की शाही ईदगाह में जाकर धर्म परिवर्तन कर लेंगे। आकाश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि उनके प्रबंधकों और समर्थकों को जबरन उठाया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है और उनके साथ बुरा बर्ताव हो रहा है।

मतदान के बीच 4 जगहों पर पक्ष-विपक्ष भिड़े

गोरखपुर में भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं में जोरदार भिड़ंत

इस चुनाव को सत्तारूढ़ भाजपा और सपा के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है।गोरखपुर में डीएवी डिग्री कॉलेज में भाजपा और सपा के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई। दोनों ने एक-दूसरे पर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। यह टकराव सपा प्रत्याशी के सामने हुआ।

नेवादा में भाजपा जिलाध्यक्ष और सपा जिला उपाध्यक्ष में नोकझोंक

नेवादा में मतदान केंद्र परिसर में वाहन लाने को लेकर शुरू हुए विवाद से कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। वीडियो में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, सपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार के परिसर के अंदर वाहन लाने का विरोध करते दिखाई और सुनाई दे रहे हैं।

औरैया में पीठासीन अधिकारी को धमकाने का आरोप लगाया, धरने पर सपा सांसद

औरैया के अजीतमल में बूथ संख्या 149 और 223 पर तैनात सपा एजेंटों से मारपीट का आरोप लगाते हुए सपा सांसद जितेंद्र दोहरे और जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम धरने पर बैठ गए। सपा जिलाध्यक्ष ने दोनों बूथों पर मारपीट की शिकायत डीएम से की। उधर, एरवाकटरा और बिधूना में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हुई।

हरदोई में भाजपा और सपा प्रत्याशी के समर्थक भिड़े हरदोई के कछौना कस्बे में लखनऊ खंड स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा प्रत्याशी अवनीश सिंह और सपा प्रत्याशी कांति सिंह के समर्थकों के बीच नोकझोंक हो गई। फर्जी मतदान के आरोप को लेकर एक पक्ष के अधिवक्ता रविकांत पटेल और दूसरे पक्ष के भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह के बीच कहासुनी हुई। इसी दौरान एक युवक अधिवक्ता की ओर मारपीट करने के लिए झपटा।

सुप्रीम कोर्ट का हाईकोर्ट से सवाल

ऐसी क्या जल्दी थी कि किसी पक्ष को सुने बिना दे दिया आदेश

पूर्व सीएम पिनाराई विजयन, उनकी बेटी, उनके दामाद के खिलाफ था मामला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दशहरे पर छुट्टी के दिन केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी, उनके दामाद और अन्य लोगों के खिलाफ चल रही जांच पर 7 दिनों के लिए रोक लगा दी है। यह रोक उन्हें केरल हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील करने का मौका देने के लिए लगाई गई है, जिसमें उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। यह मामला सरकारी कंपनी 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' द्वारा आईटी फर्म 'एक्सलॉजिक' को कथित तौर पर किए गए भुगतान से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने विजयन और अन्य लोगों को एकल न्यायाधीश के 9 अक्टूबर के आदेश के खिलाफ अपील करने की अनुमति दे दी। सर्वोच्च न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 15 अक्टूबर के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसने अपील को खारिज कर दिया था।

जस्टिस मोहना ने की सख्त टिप्पणी

जस्टिस बागची ने कहा कि ईडी के पास हवाला डीलरों और पूर्व मुख्यमंत्रियों की जांच करने का पूरा अधिकार है। उन्हें कोई नहीं रोक सकता। ईडी ने अपना कानूनी कर्तव्य निभाया है। उन्होंने राज्य को सूचित कर दिया था। अब राज्य को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी है। राज्य कानून के अनुसार काम कर रहा है या नहीं, इस पर (हमारी राय में) हाई कोर्ट को जांच का निर्देश नहीं देना चाहिए था।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्णानंद सिंह आ. स्व. आर. बी. सिंह, उम्र-53 वर्ष जाति क्षत्रिय निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 09 मोहल्ला-बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/166 कुल रकबा 3242.57 वर्गमीटर भूमि में से रकबा 119 मीटर भूमि जिस पर पक्का मकान निर्मित है को अनावेदक /केता अशोक कुमार अग्रवाल आ. गनपत राम अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर दर्जा की मांग

सुप्रीम कोर्ट 27 अक्टूबर को करेगा सुनवाई

वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर दर्जा देने की मांग अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित जनहित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की अपील की गई है। इस पर 27 अक्टूबर को सुनवाई हो सकती है। याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दाखिल की गई है। अधिवक्ता अश्वनी दुबे ने इसे दिल्ली हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग की है। वंदे मातरम हमारे इतिहास, संप्रभुता, एकता और गौरव का प्रतीक है। यदि कोई प्रत्यक्ष इसके प्रति अनादर दिखाता है, तो यह अधिकारों और एक संप्रभु राष्ट्र के नागरिक के रूप में हमारे अस्तित्व के लिए भी संकट का कारण होगा।

कारोबारी शिवा की हत्यारोपी

मॉडल श्रद्धा को कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत अर्जी खारिज

एजेंसी ⏭ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा शुक्ला, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश औ को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। तीनों की जमानत अर्जी प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने खारिज कर दी है। अदालत ने कहा है कि अपराध गंभीर प्रकृति का है तथा सत्र न्यायालय द्वारा परीक्षणीय है। लिहाजा जमानत का कोई उचित आधार नहीं है। श्रद्धा की ओर से अधिवक्ता ने सीजेएम कोर्ट में जमानत अर्जी डाली थी।

तीनों आरोपियों को कोर्ट में किया था पेश

तीनों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। यहां तीनों को पुलिस उपायुक्त मध्य अर्पित विजयवर्गीय के सर्विलांस कार्यालय में रखा गया। तीनों को हजरतगंज पुलिस ने पकड़ा था।

थरूर ने दी नई परिभाषा

रिजीम चेंज नहीं... शांतिपूर्ण प्रदर्शन का हक मिला, राय दी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के सीनियर नेता शशि थरूर ने चल रहे प्रदर्शनों पर बात की है। इसके अलावा प्रशांत भूषण और नेहा बोरा जैसे लोगों की ओर से रिजीम चेंज की बात करने और फिर कांग्रेस की ओर से भी ऐसा कहने पर जवाब दिया है। थरूर ने कहा कि हमारा संविधान शांतिपूर्ण प्रदर्शनों की अनुमति देता है। हिंसा की परमिशन नहीं देता है। हम ऐसे ही प्रदर्शन के पक्ष में हैं, लेकिन हम यह भी चाहेंगे कि सरकार भी अपनी जवाबदेही तय करे।

वोट का अधिकार मिले

हर भारतीय का अधिकार है वह मत डाल सके। ऐसी व्यवस्था हो जाए और फिर गवर्नमेंट चेंज की बात हो। मैं रिजीम चेंज नहीं बल्कि गवर्नमेंट चेंज की बात करूंगा। हर भारतीय का वोट देने का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए।

राज्यपाल के शाकाहारी निर्देश पर भड़के वेणुगोपाल

खान-पान पर पाबंदी बर्दाश्त नहीं करेंगे संघ परिवार का एजेंडा नहीं चलेगा

राज्यपाल के फैसले पर नाराजगी जताई

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के एक कथित फैसले की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने राजभवन की रसोई को पूरी तरह से शाकाहारी बनाने का निर्देश दिया है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह संघ परिवार की असंवैधानिक रुचियों को दिखाता है।शुक्रवार को पदभार संभालने वाले माथुर ने निर्देश दिया है कि लोक भवन की रसोई में मांसाहारी व्यंजन न तो बनाए जाएं और न ही परोसे जाएं। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि माथुर पूरी तरह से शाकाहारी हैं। उन्होंने रसोई में मांसाहारी भोजन न बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की अपनी पसंद के भोजन पर कोई रोक-टोक नहीं थी।

भोजन चुनने की पूरी आजादी हो

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया 'राज्यपाल ने यह तय करके हद पार कर दी है कि रसोई में केवल शाकाहारी भोजन ही बनेगा। उन्होंने कहा कि केरल की खाद्य संस्कृति मिली-जुली है। तटीय राज्य होने के नाते यहां मछली की प्रचुरता है। राज्य के लोगों को शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने की पूरी आजादी है। उन्होंने कहा केरल के लोगों की खान-पान की आदतों पर पाबंदी लगाने की कोशिश, या उन्हें यह बताने की कोशिश कि अब से उन्हें क्या खाना चाहिए, बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

चुनाव आयोग से जुड़ा एक और विवाद आया सामने

2 आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव से की थी अधिकारी पर एक्शन की मांग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

चुनाव आयोग के भीतर एसआईआर को लेकर सामने आए मतभेदों के बीच अब आयोग में वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कामकाज के बंटवारे को लेकर विवाद सामने आया है। आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए 29 जुलाई को कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को पत्र लिखे थे।पूर्व नौसेना अधिकारी कमोडोर लोकेश के बत्रा की ओर से फाइल की गई आरटीआई के जवाब में घटनाक्रम का खुलासा हुआ है। दोनों चुनाव आयुक्तों के इस लेटर के जवाब में कैबिनेट सचिवालय ने मामले को गंभीरता से लेने के बावजूद किसी तरह की सीधी कार्रवाई करना उचित नहीं माना था।

पूर्व नौसेना अधिकारी कमोडोर बत्रा की आरटीआई में खुलासा

कैबिनेट सेक्रेटेरिएट ने सीधे कार्रवाई से कर दिया था इनकार

आरटीआई लेटर की डिटेल्स और फाइल नोटिंग मांगी गई थी। कैबिनेट सेक्रेटेरिएट ने उनके लेटर को स्वीकार तो कर लिया था, लेकिन आयोग को संवैधानिक संस्था कहते हुए उसके कामकाज में सीधे दखल करने से इनकार कर दिया था। नोटिंग में कहा गया था कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है और उसके कामकाज में कार्यपालिका का हस्तक्षेप उचित नहीं होगा।

गर्ग को मिला था प्रभार

कैबिनेट सचिवालय को लिखे गए लेटर में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कहा था कि डिप्टी इलेक्शन कमीश्नर मनीष गर्ग को प्रशासनिक विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

क्लैश की शुरुआत कहां से हुई?

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि यह आदेश आयोग या अधिकारियों के साथ चर्चा किए बिना जारी किया गया था। दूसरी ओर विवेक जोशी ने भी कहा है कि जब उन्होंने गर्ग से फाइल मांगी तो उन्हें फाइल देने से इनकार कर दिया गया।

चुनाव आयोग के दफ्तर की तरफ कर रहे थे मार्च

दिल्ली पुलिस की हिरासत में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। ये सभी सेंट्रल दिल्ली में चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे। पीपुल अगेंस्ट एसआईआर' की दिल्ली समन्वय समिति का आयोजन था।

स्वदेशी जागरण मंच ने कहा

सुरक्षा कारणों को लेकर केंद्र स्टारलिंक को लाइसेंस न दे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्वदेशी जागरण मंच ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह एलन मस्क की कंपनी 'स्टारलिंक' को भारत में वाणिज्यिक उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की अनुमति न दे। यहां 3 मूर्ति चौक पर स्टारलिंक के खिलाफ प्रदर्शन के बाद, प्रधानमंत्री को सौंपे ज्ञापन में आरएसएस से जुड़े संगठन ने कहा कि स्टारलिंक द्वारा उपग्रहों के बीच सीधे डेटा भेजने के लिए लेजर-आधारित सैटेलाइट लिंक का इस्तेमाल, सुरक्षा से जुड़ी

आपातकालीन स्थितियों में भारतीय इंटरनेट ट्रैफिक के दायरे में न हो होने को लेकर चिंता पैदा करता है। राष्ट्रीय सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने ज्ञापन में लिखा, 'सरकार इस प्रणाली की जांच कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुरक्षा से जुड़ी आपातकालीन स्थितियों में डेटा भारतीय गेटवे को 'बायपास' न करे।

पकड़ाई बांग्लादेशी महिला, रीना अख्तर को भारत से भेजा गया बाहर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अवैध रूप से निवासरत विदेशी नागरिकों की पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बांग्लादेशी नागरिक रीना अख्तर को भारत से डिपोर्ट कर दिया गया है।दुर्ग पुलिस की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) टीम ने पश्चिम बंगाल में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से समन्वित कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर 2026 को उन्हें नियमानुसार भारत से बाहर भेजने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार, जिले में विदेशी नागरिकों के निवास और दस्तावेजों की जांच के दौरान रीना अख्तर के भारत में अवैध रूप से रहने की जानकारी सामने आई थी।इसके बाद मामले में आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आगे की कार्रवाई की गई।

15वें वित्त की राशि में कथित गड़बड़ी की जांच में असहयोग पर कार्रवाई, 23 पंचायत सचिवों को नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा।15वें वित्त आयोग की राशि से कराए गए कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच में सहयोग नहीं करने और आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने के मामले में पाली ब्लॉक के 23 पंचायत सचिवों पर निलंबन की कार्रवाई की तलवार लटक रही है। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मामला वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15वें वित्त मद से पाली जनपद पंचायत की 24 ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों से जुड़ा है। इन कार्यों में व्यय, भुगतान, गुणवत्ता और निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन की जांच कराने की मांग को लेकर जिला प्रशासन से शिकायत की गई थी। जांच के तहत ग्रामसभा की कार्यवाही पंजी, उपस्थिति पंजी, व्यय प्रमाणक, देयक-वाउचर, इनवॉइस बिल, टीडीएस कटौती और जमा राशि से संबंधित अभिलेखों की जांच के साथ भौतिक सत्यापन किया जाना था।

अभिलेख नहीं देने और बयान दर्ज नहीं कराने का आरोप

प्रशासनिक जांच के दौरान कुछ पंचायत सचिवों द्वारा आधे-अधूरे अभिलेख उपलब्ध कराने, आवश्यक रिकॉर्ड नहीं देने अथवा जांच दल के समक्ष बयान दर्ज नहीं कराने का मामला सामने आया।इस संबंध में जनपद पंचायत पाली के सीईओ ने 3 सितंबर 2026 को उप संचालक पंचायत को अभिमत सहित प्रतिवेदन भेजा था। इसके बाद प्रकरण में कार्रवाई में देरी को लेकर राज्यपाल के राजभवन और छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव तक शिकायत पहुंचने की बात भी सामने आई। अब जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित सचिवों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की चेतावनी

नोटिस में संबंधित सचिवों के कृत्य को उच्च अधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना, शासकीय कार्य में उदासीनता और लापरवाही बताते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1999 के तहत कदाचार की श्रेणी में माना गया है। सचिवों से पूछा गया है कि उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन क्यों नहीं किया जाए। सभी संबंधित सचिवों को तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई की जा सकती है। इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई के बाद पंचायत विभाग में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, संबंधित सचिवों का पक्ष और जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने आने के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

स्मृति ईरानी के दौरे पर दीपक बैज का तंज, BJP की गुटबाजी और महंगाई पर उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने स्मृति ईरानी के दौरे पर तंज कसते हुए बीजेपी के अंदर चल रही गुटबाजी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। बैज ने पूछा कि क्या स्मृति ईरानी प्रदेश बीजेपी में जारी आपसी खींचतान को खत्म कर पाएंगी? इतना ही नहीं, उन्होंने महंगाई और प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बीजेपी को उसके पुराने वादों की याद भी दिलाई। बैज ने शक्कर की कीमत 13 रुपये प्रति किलो और गैस सिलेंडर 400 रुपये में मिलने के वादे का जिक्र करते हुए सवाल किया कि क्या अब जनता को इन कीमतों पर राहत मिलेगी? उन्होंने स्मृति ईरानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करीबी और बीजेपी की बड़ी नेता बताते हुए इन वादों को पूरा करने की उम्मीद जताई।

प्रदेश प्रभारी के दौरे पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ की राजनीति में स्मृति ईरानी के दौरे के बीच कांग्रेस ने बीजेपी को घेरने का मौका तलाश लिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश प्रभारी के दौरे पर सवाल उठाते हुए सीधे बीजेपी के संगठनात्मक हालात पर निशाना साधा। बैज ने पूछा कि क्या स्मृति ईरानी प्रदेश बीजेपी के भीतर चल रही गुटबाजी को कम कर पाएंगी? उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब प्रदेश में बीजेपी संगठन और सरकार की राजनीतिक गतिविधियों पर विपक्ष लगातार नजर बनाए हुए है।

प्रदेश सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार में डूबे होने का आरोप भी लगाया।इसके साथ ही उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर बीजेपी को घेरते हुए पुराने चुनावी वादों की याद दिलाई। बैज ने सवाल किया कि क्या अब शक्कर 13 रुपये किलो और गैस सिलेंडर 400 रुपये में मिलेगा? दीपक बैज ने स्मृति ईरानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खास और बड़ी नेता बताते हुए तंज कसा कि अगर उनके दौरे से बीजेपी के भीतर की गुटबाजी खत्म होती है और जनता को महंगाई से राहत मिलती है, तो यह देखना अहम होगा। फिलहाल कांग्रेस के इन सवालों ने स्मृति ईरानी के दौरे के राजनीतिक मायने को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि बीजेपी इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देती है और प्रदेश प्रभारी का दौरा संगठन के साथ-साथ सियासी समीकरणों पर कितना असर डालता है।

तीन जिलों में 2.70 करोड़ रुपये से बनेंगे छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, ।महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को मंजूरी मिली है। राज्य शासन ने इसके लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 72 हजार 500 रुपये जारी करने पर भी सहमति दी गई है। स्वीकृति के तहत सूरजपुर जिले के भैयाथान और ओडगी, रायगढ़ जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उसूर और भोपालपटनम में भवनों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक भवन के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, विकास तथा अधिकारों के संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाएं संचालित की जाती हैं। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नए भवन बनने से विभागीय कार्यों के संचालन के लिए व्यवस्थित आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे विभागीय अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों से जुड़े कार्यों में सहूलियत मिलने के साथ ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों तक कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी।शासन के निदेर्शानुसार अगली किस्त जारी करने के प्रस्ताव के साथ पहली किस्त के उपयोग का प्रमाण-पत्र और निर्माण कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण प्रस्तुत करना होगा। स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित व्यय सीमा और शासन के नियमों के अनुरूप किया जाएगा।

छठवीं की पिंकी ने सुनाया 30 का पहाड़ा, बच्चों संग दोना-पत्तल में भोजन करने बैठीं कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया।सोनहत विकासखंड के दूरस्थ गांवों के दौरे पर पहुंचीं कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने शुक्रवार को स्कूलों और शासकीय संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। धनपुर में छठवीं की छात्रा पिंकी ने 30 का पहाड़ा सुनाया, वहीं गोयनी में कलेक्टर ने स्कूली बच्चों के साथ दोना-पत्तल में बैठकर भोजन किया।उन्होंने शिक्षकों को बच्चों की प्रतिभा पहचानने और उनके सपनों को साकार करने में सहयोग देने की सीख दी। धनपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कलेक्टर ने विद्यार्थियों से सवाल-जवाब कर उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। बच्चों के फटे गणवेश देखकर उन्होंने शिक्षकों से जानकारी मांगी और प्रत्येक शनिवार सामान्य ज्ञान पर आधारित गतिविधियां कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों का आत्मविश्वास बढ़े।

मध्यान्ह भोजन की शिकायत पर जांच

आनंदपुर में ग्रामीणों ने मध्यान्ह भोजन संचालन में स्वसहायता समूह की लापरवाही की शिकायत की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और एसडीएम को जांच के निर्देश दिए।उप स्वास्थ्य केंद्र में पानी की समस्या दूर करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने को कहा।उचित मूल्य दुकान तथा आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगेगा शिविर

गोयनी में ग्रामीणों ने जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी तथा महतारी वंदन योजना की राशि नहीं मिलने की समस्या बताई। कलेक्टर ने नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के पहले सप्ताह में विशेष शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन कराने और स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास जल्द पूरा करने की अपील की। कलेक्टर ने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी करने को कहा।पंचायत सचिवों और पटवारियों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दौरे में टाइगर रिजर्व की संचालक श्वेता कम्बोज, जिला पंचायत सीईओ योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

20 वर्षों से ईसाई धर्म का पालन, अब घर वापसी, बस्तर में धर्मांतरण का मुद्दा फिर चर्चा में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बस्तर में धर्मांतरण मुद्दा और पारंपरिक आस्था में वापसी से जुड़ा एक और मामला सामने आया है। भानपुरी आमाबाल परगना क्षेत्र के सोनारपाल गांव में करीब 20 वर्षों से ईसाई धर्म का पालन कर रहे एक परिवार के 10 सदस्यों ने अपने मूल धार्मिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों में वापसी की।इस अवसर पर महारा समाज के पदाधिकारियों, नाईक-पाईक, समाज प्रमुखों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी में पारंपरिक विधि-विधान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद परिवार के सभी 10 सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया।इसके साथ ही उन्हें समाज की पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक व्यवस्था में पुनः शामिल किया गया। करीब दो दशक बाद परिवार की वापसी को लेकर गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने भागीदारी निभाई।

बस्तर में पहले भी सामने आ चुके हैं घर वापसी के मामले

सोनारपाल की घटना ऐसे समय सामने आई है, जब बस्तर संभाग में धर्मांतरण, आदिवासी परंपराओं और धार्मिक पहचान को लेकर लगातार चचाएं होती रही हैं। इससे पहले भी अलग-अलग इलाकों में ईसाई धर्म अपना चुके परिवारों के पारंपरिक आस्था में लौटने के मामले सामने आ चुके हैं। बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में देवी-देवताओं, देवगुड़ियों, जातीय-सामाजिक परंपराओं और पारंपरिक पूजा-पद्धतियों का सामुदायिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में लंबे समय बाद किसी परिवार की पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था में वापसी समाज के स्तर पर भी चर्चा का विषय बनती है।

धर्मांतरण को लेकर कई बार बने तनाव के हालात

बस्तर संभाग में धर्मांतरण का मुद्दा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा है।कई स्थानों पर इसे लेकर सामाजिक मतभेद और विवाद भी सामने आए हैं। नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा सहित संभाग के अलग-अलग जिलों में धर्मांतरण, अंतिम संस्कार की परंपराओं और ग्रामीण समुदायों के बीच मतभेद को लेकर विवादों की खबरें आती रही हैं। कुछ मामलों में प्रशासन और पुलिस को हस्तक्षेप भी करना पड़ा है। इन घटनाओं के बीच सोनारपाल में एक परिवार के 10 सदस्यों की घर वापसी ने इस विषय को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, परिवार ने वापसी का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया, इस संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

तेंदू पेड़ की छांव में लगी चौपाल, दूरस्थ गांवों में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की बात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया।सोनहत विकासखंड के दूरस्थ गांवों रामगढ़, धनपुर, नटवाही, आनंदपुर और गोयनी में शुक्रवार को प्रशासन सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचा।कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहीं तेंदू के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई, तो कहीं गांव में प्रवेश करते ही वाहन रुकवाकर राहगीरों से राशन, पानी और बिजली की स्थिति पूछी।नटवाही, धनपुर और गोयनी में ग्रामीणों ने आवागमन और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी अपनी जरूरतें रखीं।सुबह आठ बजे से शुरू हुए दौरे में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व की संचालक श्वेता कम्बोज, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि कार्यालयों में योजनाओं और उनके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार होती है, लेकिन उनका लाभ लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी वास्तविक जानकारी मैदानी स्तर पर मिलती है।इसी उद्देश्य से अधिकारी दूरस्थ गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं।

नटवाही-गोपद मार्ग के लिए संयुक्त प्रस्ताव बनाने के निर्देश

ग्राम नटवाही में कलेक्टर ने तेंदू पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ उनकी समस्याएं सुनीं।ग्रामीणों ने नटवाही और गोपद के बीच सड़क तथा पुलिया निर्माण की आवश्यकता बताई। इस पर कलेक्टर ने वन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों को आपसी समन्वय से ग्रामीणों की जरूरत के अनुरूप कार्ययोजना बनाने को कहा।

धनपुर में वाहन रुकवाकर राहगीरों से पूछा हाल

धनपुर पहुंचते ही कलेक्टर ने वाहन रुकवाया और राहगीरों से बातचीत शुरू की। उन्होंने राशन की उपलब्धता, पेयजल आपूर्ति और सोलर बिजली व्यवस्था के बारे में पूछा।ग्रामीण जय सिंह और फूलसिंह शुरूआत में अपनी बात रखने में संकोच कर रहे थे।सहज बातचीत के बाद उन्होंने गांव की स्थिति और जरूरतों से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी जानकारी ली और ग्रामीणों से अपनी समस्याएं खुलकर बताने को कहा।

19 घरों तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत

धनपुर में ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी से मौके पर वस्तुस्थिति पूछी।बताया गया कि पाइपलाइन में लीकेज के कारण जलापूर्ति में परेशानी हो रही है।उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए।ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 19 घरों तक पाइपलाइन से पानी नहीं पहुंच रहा है। विभागीय अधिकारी ने इन घरों तक भी जल्द पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।इसी दौरान गांव की सुक्रिया ने बताया कि पहले उन्हें नदी से पानी लाना पड़ता था, लेकिन जल जीवन मिशन के तहत अब घर मे ही नल से पानी मिलने लगा है।

अंतिम छोर के गोयनी में आवागमन और बिजली पर चर्चा

जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम गोयनी में कलेक्टर ने ग्रामीणों से सड़क, पुल–पुलिया और बिजली सहित अन्य जरूरतों की जानकारी ली।उन्होंने समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया और घरों तक बिजली पहुंचाने तथा आवागमन की सुविधाएं बेहतर बनाने के विषय में चर्चा की।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की मांगों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

नरोला पंचायत के त्रिकुड़िहा पारा में बदहाल आंबा भवन

भगवान भरोसे मासूमों की सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों और विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम पंचायत नरोला गांव के नौनिहालों के भविष्य को संवारने और उनके पोषण की जिम्मेदारी उठाने वाला आंगनबाड़ी केंद्र आज खुद बदहाली की दास्तां बया कर रहा है। प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत नरोला के त्रिकुड़िहा पारा स्थित आंगनबाड़ी भवन करीब दो वर्षों से जर्जर हालत में पड़ा है। दीवारों की उखड़ती परतें, भवन की खराब स्थिति और रखरखाव के अभाव की तस्वीरें सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की दूरी को उजागर कर रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से भवन की स्थिति खराब होने के बावजूद अब तक मरम्मत या नए भवन की व्यवस्था को लेकर कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग किसका इंतजार कर रहे हैं। क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलेगी आंगनबाड़ी केंद्र महज चार दीवारों वाला भवन नहीं, बल्कि छोटे बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे स्थान की बदहाली को नजरअंदाज करना बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर चिंता का विषय है। सरकार बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के लिए योजनाएं चलाती है, लेकिन नरोला पंचायत के इस आंगनबाड़ी भवन की स्थिति स्थानीय स्तर पर निगरानी और जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े करती है। यदि भवन लंबे समय से जर्जर है, तो इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंची या नहीं, निरीक्षण हुआ तो उसके बाद क्या कार्रवाई की गई। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर भवन का निरीक्षण करें, उसकी सुरक्षा का आकलन कराएं और आवश्यकतानुसार मरम्मत अथवा नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करें। यदि भवन बच्चों के उपयोग के लिए असुरक्षित पाया जाता है, तो सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। दो साल की बदहाली के बाद अब जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। आखिर नरोला पंचायत के त्रिकुड़िहाया पारा के इस आंगनबाड़ी केंद्र की सुध कौन लेगा। मरम्मत या नए भवन की पहल कब शुरू होगी जिससे नवनिहाल सुरक्षित वातावरण में अपनी प्राम्भिक शिक्षा आंगनबाड़ी में ग्रहण कर सकें।

निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

0 गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य पाए जाने पर भड़की कलेक्टर 0 बोलीं- बच्चों के भविष्य से जुड़ा है विद्यालय निर्माण, बर्दाश्त नहीं होगी गुणवत्ता में लापरवाही 0 सम्बन्धितो को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को जिले के विकासखंड प्रतापपुर अंतर्गत निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास का कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व निरीक्षण जांच में पाई गई कमियों के सुधार की स्थिति की जानकारी ली। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर प्रयोगशाला, रसोईघर, शौचालय सहित अन्य कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की फिनिशिंग एवं गुणवत्ता में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती जमील ने निर्माण कार्य की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटले, अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर रमेश मोर सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि 420 सीटर एकलव्य आवासीय विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के आदिवासी विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होगी। विद्यालय में आवासीय व्यवस्था के साथ अध्ययन अध्यापन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेगा।

27 जनवरी से होगी विभागीय परीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य शासन द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभागीय परीक्षा माह जनवरी 2027 के तहत विभागीय परीक्षा 27 जनवरी से 03 फरवरी 2027 तक आयोजित किए जाने परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को उत्तीर्ण होने के लिए 10 प्रतिशत अंकों तक छूट दिये जाने का प्रावधान है। तत्संबंध में ऐसे परीक्षार्थी अपना जाति प्रमाण पत्र भी आवेदन के साथ उपलब्ध करायेंगे।

उक्त संबंध में सर्व संबंधितों को जिले में विभागीय परीक्षा में बैठने के इच्छुक अधिकारियों कर्मचारियों की सूची 20 दिसंबर तक जिला कार्यालय स्थापना शाखा में सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है।

वाटरशेड ऑर्गनाइज ट्रस्ट ने 195 किसानों को किया उन्नतशील बीज वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। वाटरशेड ऑर्गनाइज ट्रस्ट संस्था के माध्यम से जलवायु आधारित कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षेत्र के 195 कृषकों को गेहूं, सरसों एवं सूर्यमुखी के उन्नतशील बीज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को रबी फसलों की उन्नत खेती, फसल उत्पादन बढ़ाने तथा कृषि में जलवायु अनुकूल तकनीकों को अपनाने के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सौ किसानों को 3-3 किलोग्राम उन्नतशील सरसों बीज, 85 को 40-40 किलोग्राम गेहूं बीज एवं 10 किसानों को 1-1 किलोग्राम सूर्यमुखी बीज वितरित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को रबी फसलों की खेती के लिए खेत की तैयारी, उचित खाद एवं उर्वरक की मात्रा, बीज बुवाई की सही विधि, सिंचाई प्रबंधन तथा फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान और उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग कर फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में तेल वाली फसलों, विशेषकर सरसों एवं सूर्यमुखी के उत्पादन को बढ़ावा देना, किसानों की कृषि आय में वृद्धि करना तथा उन्हें कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस पहल से किसानों को उन्नत बीज एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी प्राप्त होगी, जिससे बेहतर उत्पादन और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलेगा। संस्था द्वारा जलवायु आधारित कृषि के माध्यम से किसानों को जागरूक करने, आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सूचना का अधिकार के संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के उद्देश्य से यहां के जनपद सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती सूरजपुर रेना जमील के निर्देश पर 23 एवं 24 अक्टूबर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के पदनामित जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों तथा ऑनलाइन पोर्टल की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर व्याख्याता संतोष कुमार उपाध्याय एवं प्रभारी प्राचार्य रमेश कुमार गुप्ता, ब्लॉक मास्टर सीमांचल त्रिपाठी प्रधान पाठक एवं व्याख्याता राजेश कुमार किस्पोट्टा ने प्रशिक्षणार्थियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, जन सूचना अधिकारियों की जिम्मेदारियों, आवेदन प्रक्रिया तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

गौरतलब है कि प्रशिक्षण का उद्देश्य विभिन्न विभागों में पदनामित जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ना तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया संपन्न कराना था।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	201948 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओडगी के मुख्य मार्ग चोंगा से भोड़वानीपारा होते हुए मौहारीपारा तक पहुंच मार्ग लं. 4.20 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.20 कि.मी.) पुल -पुलिया सहित निर्माण कार्य।	518.87
2	201988 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर -24 स्थित लोक भवन एवं मंत्री बंगलों में डी. जी. सेट की सप्लाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	390.33
3	202050 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग बिलासपुर के उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत जेल परिसर में विद्युतीकरण एवं सब स्टेशन तथा बाह्य विद्युतीकरण कार्य।	478.52
4	201958 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर -24 राजभवन (लोक भवन) सेक्यूरिटी सिस्टम , सप्लाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	760.72
5	202131 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर -24 राजभवन (लोक भवन) आडियो विडियो सिस्टम , सप्लाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	461.07
6	201928 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायपुर के जौंदा से चम्पारण मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. में सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	493.86
7	201936 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	जिला महामसुंद के उपसंभाग क्रमांक 1 महासमुंद अंतर्गत महासमुंद - भलेसर -कनेकेरा- महादेव घाट मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	251.39
8	201939 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	लोक निर्माण विभाग, वि./यां. उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत जिला बिलासपुर के कोनी मोपका बायपास मार्ग में विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर विस्थापन के कार्य हेतु ।	222.73
9	201940 दसवां आमंत्रण 15.10.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम-समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
10	201963 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला कोण्डागांव के मर्दापाल में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य।	453.98
11	201964 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला दन्तेवाड़ा के पालनार-फूलपाड़-जूनापारा मार्ग लंबाई 4.50 कि. मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, शेष कार्य।	226.05
12	202081 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायपुर (गरियाबंद) के सिलयारी बाहरा से संतोषपुरी धाम ग्राम पंचायत पतोरा गनियारी क्षेत्र में पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	674.10
13	202087 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायगढ के दनौट- कया-कमतरा मार्ग में मर्दन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	343.40
14	202091 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जमा मद के अंतर्गत जिला बिलासपुर से सेंदरी में राज्य मानसिक चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय से 200 बिस्तरीय में उन्नयन का निर्माण कार्य।	1954.80
15	202096 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जमा मद के अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ के चिकित्सालय भवन में लघु निर्माण के अंतर्गत भवन के आंतरिक भाग में प्रसाधन कक्ष, सेनेटरी पाईप लाईन आदि का जीर्णोद्धार/ मरम्मत कार्य।	717.11
16	202101 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला बस्तर के मां दन्तेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर एयर स्ट्रीप में डायडिंग क्वालिटि इम्प्रवमेंट (पिरेडिक रिनीवल) के निर्माण कार्य।	2150.44
17	202114 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	शासकीय पॉलीटेक्निक सुकमा में 50 सीटर बालक छात्रावास, अधीक्षक के लिए एफ टाईप क्वार्टर, भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर आगंतुक कक्ष , विद्युतीकरण सहित बाउंड्री वॉल, जलापूर्ति- सेनेटरी फिटिंग और 150 मीटर लंबाई में सी.सी. सीमेंट कांकीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	208.72
18	202121 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ में 50 रूम्स इंटर्न हॉस्टल बॉयज भवन निर्माण कार्य। जमा मद।	703.69

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 09 दिनांक 27.10.2026, सं.क्र. 18 दिनांक 11.11.2026, सं.क्र. 06 सं.क्र. 08 दिनांक 02.11.2026 निर्धारित है एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 06.11.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियन्ता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-262704159/3

मदननगर में कोयला खदान खोलने का मार्ग हो रहा प्रशस्त

प्रशासन और प्रबंधन के प्रयास से सहमति का मन बना रहे ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम मदननगर में कोयला खदान खोलने प्रबंधन द्वारा जरूरी औपचारिकता पूर्ण करने प्रयास जारी है, इस बीच प्रबंधन और कंपनी के लगातार जनसंपर्क और समझाइस के बाद बड़ी संख्या में लोगो का रुझान भी खदान खोलने की ओर आया है। प्रबंधन का प्रयास है कि लोगो के आम सहमति से खदान खुले, इसके लिए प्रशासन और प्रबंधन लगातार ग्रामीणों से बातचीत कर रहे। ज्ञात हो कि मदननगर खदान खोलने पिछले कुछ वर्षों से प्रयास जारी है, प्रबंध और ग्रामीणों के लगातार वार्तालाप से अब बड़ी संख्या में लोग खदान खोलने सहमति देने लगे है, वही भू प्रभावितो को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जा रहा, जबकि प्रभावितों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रबंधन आगे बढ़ रहा, ग्रामीणों के प्रतिनिधियों का कहना है कि खदान खोलने वे अपनी आजीविका के साधन को खोना नहीं चाहते, इसलिए

वे केवल पैसों के बजाय जमीन के बदले दूसरी कृषि योग्य जमीन और पुनर्वास की उचित गारंटी की मांग कर रहे हैं। वही दूसरी ओर प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है। जिससे भूमि अधिग्रहण को नियमानुसार पूरा किया जा सके, प्रशासन और प्रबंधन के लगातार प्रयास से ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में विकास, रोजगार के नए अवसरों देखते हुए खदान खोलने के पक्ष में हैं, बशर्ते प्रबंधन उनकी पुनर्वास व रोजगार की मांगों को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा करे।

जानकारी अनुसार मदननगर खदान खुलने से चार गांव के भू प्रभावित करीब एक हजार से अधिक लोगों को एसईसीएल में रोजगार मिलेगा, जिसमें से करीब 8 सौ नौकरी ग्राम मदननगर के लोगो को मिलना है, इसके साथ ही खदान संचालन प्रारंभ होने पर स्थानीय लोगों को भी बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर मिलेगा। योग्यता और तकनीकी ज्ञान अनुरूप लोगो को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने के साथ ही क्षेत्र का विकास भी तेजी से होगा, वही रोजगार के साथ परिवहन समेत अन्य तरह के व्यवसाय में भी भारी वृद्धि का अनुमान है। खदान खुलने से गांव का शत प्रतिशत विस्थापन होना है, विस्थापन समेत अन्य कई मुद्दों को लेकर लोगो के मन में कई तरह की आशंका थी, जिला प्रशासन, प्रबंधन द्वारा लोगो की आशंकाओं को दूर कर नियमानुसार मुआवजा, रोजगार और विस्थापन का अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास से लोगो में खदान खोलने सहमति देने वालों के संख्या में तेजी से वृद्धि हुआ है। प्रबंधन का प्रयास है कि गांव के लोग जो अब भी असहमत है उन्हें बातचीत के जरिए उनकी वाजिब मांगों और समस्याओं को निराकृत कर उन्हें भी सहमत किया जा सके। भटगांव क्षेत्र के मदननगर खदान में प्रतापपुर ब्लॉक के चार गांव मदननगर, कनकनगर, चौरा, जगन्नाथपुर के लोग प्रभावित होंगे। प्रारंभ में चौरा जगन्नाथपुर में खदान खोलने को लेकर लगभग आम सहमति थी, मगर मदननगर और कनकनगर में कुछ मामलों को लेकर असहमति की स्थिति निर्मित थी। पुलिस प्रशासन और प्रबंधन के लगातार प्रयास से इन दोनों गांव के लोग भी खदान खोलने को लेकर अब धीरे धीरे अपनी सहमति जताने लगे है। वही कुछ मामलों को सुलझाने अब भी ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि भविष्य निर्विवाद रूप से खदान खोलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

पटना कोट में 29 से होगा संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता

0 विजेता टीम को 15 हजार के साथ मिलेंगे आकर्षक सांत्वना पुरस्कार 0 विधायक भूलन सिंह बने संरक्षक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विजयादशमी के पावन अवसर पर जनपद रामानुजनगर के ग्राम पटना कोट में 29 अक्टूबर। गुरुवार से संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में बाजार मैदान में

आयोजित इस प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से करमा नृत्य दल अपनी पारंपरिक वेशभूषा, साज-सज्जा और लोककला के साथ शामिल होंगे।

कार्यक्रम के संरक्षक विधायक भूलन सिंह मरावी, जनपद रामानुजनगर के अध्यक्ष गुलाब सिंह तथा ग्राम पंचायत पटना की सरपंच विमला सिंह मरावी हैं।आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक करमा नृत्य, लोकगीत और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना तथा नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ना है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 9 हजार, चतुर्थ 5 हजार और पंचम पुरस्कार 3 हजार रुपये नगद के साथ अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।प्रतियोगिता में पूजा, पोशाक, अनुशासन, नृत्यकला, साज-सज्जा, गायन-वादन, गीत पर प्रश्न और करमा से संबंधित जिज्ञासाओं के आधार पर सौ अंकों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक दल को प्रस्तुति के लिए 20 मिनट का समय मिलेगा।

26 से पंजीयन

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता में शामिल दलों को निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले उपस्थित होकर पंजीयन कराना होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है। प्रवेश शुल्क 251 रुपये रखा गया है। पंजीयन के लिए फोन-पे नंबर 9926179559 पर विधायक प्रतिनिधि संत कुमार साहू से संपर्क किया जा सकता है। प्रतियोगिता में शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

प्रत्येक दल को निर्धारित क्रम में प्रस्तुति देनी होगी तथा निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। आयोजन समिति ने सभी करमा नृत्य दलों से पारंपरिक वेशभूषा और पूरे साज-सज्जा के साथ प्रतियोगिता में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

कांस्य पदक विजेता अनिमेष कुजूर का गृह जिले में स्वागत, जशपुर में युवाओं से की अपील, कहा- नशे से रहें दूर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता अनिमेष कुजूर शनिवार को अपने गृह जिले पहुंचे. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले जशपुर के धावक का भव्य स्वागत हुआ. रायपुर से अंबिकापुर होते हुए जशपुर पहुंचे अनिमेष का कुनकुरी के गिनाबहार स्थित अटल चौक पर जिलेवासियों ने स्वागत किया. इस दौरान उनके माता-पिता रीना कुजूर और अमृत कुजूर भी साथ रहे. अपने गृह जिले में मिले स्नेह और सम्मान से अनिमेष के साथ उनके अभिभावक भी भावुक नजर आए.

बाइक रैली भी निकाली गई

गिनाबहार में स्वागत के बाद युवाओं ने बाइक रैली निकालकर अनिमेष को बाजारडांड़ होते हुए कुनकुरी बस स्टैंड तक पहुंचाया. अनिमेष ने कहा कि देश के लिए खेलना और पदक जीतना हर युवा का सपना होता है, लेकिन इस सपने को पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और पूरी लगन जरूरी है. सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य तय करना और उसे पाने के लिए लगातार प्रयास करना पड़ता है. युवाओं को भी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए.

नशे से दूर रहने की अपील

यहां आयोजित आमसभा में उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा देश के विकास में लगाने की अपील की. उन्होंने कहा कि

नशा व्यक्ति को उसके लक्ष्य से भटकाता है.

इसका असर केवल युवा के अपने जीवन पर ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी पड़ता है. इसलिए युवाओं को नशे से बचते हुए अपनी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए.

घुईटांगर से अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स तक का सफर

अनिमेष कुजूर का जन्म 2 जून 2003 को जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड के ग्राम घुईटांगर में हुआ. उनकी प्रारंभिक शिक्षा जशपुर और अंबिकापुर में हुई. इसके बाद उन्होंने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित ओडिशा रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर में धावक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया. कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई.

आगामी प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतना लक्ष्य

अपने आगामी खेल लक्ष्यों की चर्चा करते हुए अनिमेष कुजूर ने कहा कि अगले साल होने वाले एशियन गेम्स और सिटी चैंपियनशिप के साथ वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना उनका लक्ष्य है. वे इन प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतने के इरादे से तैयारी कर रहे हैं.

4.52 करोड़ की लागत से बन रहा पुल, जशपुर से सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर तक आवागमन होगा आसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले में सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में सन्ना मार्ग स्थित मरगा नाला पर 4 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। पुल निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगी।

मरगा नाला पर पहले सकरी पुलिया होने के कारण आवागमन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। संकरे मार्ग के कारण कई बार यातायात बाधित होने की स्थिति बन जाती थी। ऐसे में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण पूरा होने से लोगों को इस समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। क्षेत्रवासियों ने पुल निर्माण कार्य के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कई जिलों को जोड़ने वाले मार्ग को मिलेगी मजबूती

सन्ना मार्ग जशपुर जिला मुख्यालय को सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों की ओर जाने वाले मार्गों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में मरगा नाला पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ अन्य जिलों की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

जिले में 22 उच्च स्तरीय पुलों के लिए 109 करोड़ रुपये की मिली है स्वीकृति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले में आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने और सड़क संपर्क को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 22 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण के लिए लगभग 109 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इन पुलों के निर्माण से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम होगा तथा ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण से विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा, जहां नदी-नालों के कारण आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे क्षेत्रों में पुलों का निर्माण होने से वर्षभर सुरक्षित और सुचारु आवागमन की सुविधा विकसित करने में मदद मिलेगी।

युवा उड़ान 2026 : युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. पीजी कॉलेज, जशपुर में आज युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर शामिल हुए। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान युवाओं के करियर मार्गदर्शन, शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास, खेल एवं युवा कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के सचिव ए.एक्का, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, कॉलेज के प्राचार्य एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे द्य

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को राज्य सरकार की ओर से युवाओं के कल्याण, शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं खेल के क्षेत्र में की जा रही प्रमुख पहलों, निर्णयों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम की शुरुआत बीजापुर से की गई है और इसी क्रम में आज जशपुर में इसका आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं से सीधे संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना तथा उनके विचारों और सुझावों को शासन तक पहुंचाना है।

तोमर ने विद्यार्थियों से कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वे अपने सुझाव लिखित रूप में आयोग को दें। युवाओं से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से पढ़ा जाएगा और उन पर यथासंभव सकारात्मक कार्रवाई करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा, संस्कृति और समृद्ध परंपराओं की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। युवा किसी भी राज्य की रीढ़ होते हैं। वे केवल प्रदेश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी हैं। युवाओं की सोच, ऊर्जा और नवाचार की क्षमता ही छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम, आत्मविश्वासी और नवाचारी युवाओं का निर्माण करना है, जो विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग का निरंतर प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर बने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और अपनी प्रतिभा का पूर्ण प्रदर्शन कर सके।

3 नवंबर को होगी विकसित भारत युवा संसद 2027 की जिला स्तरीय चैंपियनशिप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मेरा युवा भारत, जशपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBYLD) 2027 के अंतर्गत विकसित भारत युवा संसद 2027 की जिला स्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन 3 नवंबर 2026 को शासकीय एन.ई.एस. महाविद्यालय, जशपुर में किया जाएगा।

इस प्रतियोगिता का विषय "एक राष्ट्र, एक चुनाव" (One Nation, One Election) निर्धारित किया गया है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान करना तथा उनमें लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों, तार्किक चिंतन, संवाद कौशल एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। यह पहल विकसित भारत /2047 के संकल्प के अनुरूप युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रतियोगिता की प्रमुख विशेषताएँ

प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा भाग लेने के पात्र होंगे। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की निर्धारित कट-ऑफ तिथि के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक प्रतिभागी को निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए 3 मिनट का समय दिया जाएगा। प्रतिभागी हिंदी, अंग्रेजी सहित दिशा-निर्देशों में अनुमत भाषाओं में अपना भाषण प्रस्तुत कर सकेंगे।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु की प्रासंगिकता, भाषण की स्पष्टता एवं संरचना, मौखिक संप्रेषण एवं शारीरिक हाव-भाव, नवाचार एवं रचनात्मकता, भाषा एवं प्रवाह तथा निर्धारित समय के पालन जैसे मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

जिला से राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक अवसर

इस प्रतियोगिता में जिला स्तर के शीर्ष 3 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय चौंपियनशिप के लिए किया जाएगा। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

विकसित भारत युवा संसद 2027 युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों की समझ विकसित करने, विभिन्न विचारों के प्रति सम्मान एवं सहिष्णुता बढ़ाने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सार्थक भागीदारी के लिए प्रेरित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

पंजीकरण एवं आवेदन

इच्छुक एवं पात्र युवा डल् ठींतंज पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मेरा युवा भारत, जशपुर द्वारा जिले के पात्र युवाओं से इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा अपने विचारों, तर्कों और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की जाती है।

आयोजक : मेरा युवा भारत, जशपुर

मंत्रालय : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार

दिनांक : 3 नवंबर 2026

स्थान : शासकीय एन.ई.एस. महाविद्यालय, जशपुर, छत्तीसगढ़

नवसंकल्प शिक्षण संस्थान में नए बैच के लिए प्रवेश परीक्षा 1 नवंबर को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला प्रशासन जशपुर द्वारा संचालित नवसंकल्प शिक्षण संस्थान में नए बैच में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 अक्टूबर से शुरू हो गई है। जिले के युवाओं को विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 26 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

नवसंकल्प शिक्षण संस्थान में नए सत्र के तहत छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा, छत्तीसगढ़ व्यापम, एसएसबी से संबंधित पटवारी, अमीन एवं छात्रावास अधीक्षक जैसी भर्ती परीक्षाओं तथा कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी परीक्षा की तैयारी के लिए बैच संचालित किए जाएंगे। इसके माध्यम से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन एवं अध्ययन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

50 विद्यार्थियों को मिलेगी निःशुल्क हॉस्टल सुविधा

संस्थान में प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर कुल 50 विद्यार्थियों को निःशुल्क हॉस्टल सुविधा प्रदान की जाएगी। इसमें छात्र एवं छात्राएं दोनों शामिल होंगे। इससे चयनित विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान आवास की सुविधा मिल सकेगी।

गूगल फॉर्म से करना होगा आवेदन

अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन गूगल फॉर्म के माध्यम से जमा करना होगा। आवेदन फॉर्म का लिंक प्राप्त करने और प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी के लिए अभ्यर्थियों को नवसंकल्प शिक्षण संस्थान के आधिकारिक व्हाट्सएप एवं टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ने की सलाह दी गई है।

जिला प्रशासन जशपुर एवं नवसंकल्प शिक्षण संस्थान द्वारा जिले के अधिक से अधिक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है।

चार केंद्रों में होगी प्रवेश परीक्षा

नए बैच में प्रवेश के लिए परीक्षा एक नवंबर को ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले के चार परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव और बगीचा शामिल हैं। प्रवेश परीक्षा का परिणाम 5 नवंबर को घोषित किया जाएगा। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12, 13, 14 एवं 15 नवंबर को आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 16 नवंबर 2026 से नए बैच की कक्षाएं प्रारंभ होंगी।

छूटे हुए व नये पात्र युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान 31 तक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर । भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ.ग. रायपुर के अनुपालन में जशपुर जिले में छूटे हुए एवं नये पात्र युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है।

विशेष अभियान के अंतर्गत 17 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके युवाओं तथा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं के मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया को सुगम बनाया जाएगा। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में घर-घर भ्रमण करेंगे और प्रत्येक सप्ताह बुधवार और गुरुवार को विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना पंजीयन अवश्य सुनिश्चित करें। पात्र नागरिक ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट http://voter.eci.gov.in के माध्यम से फॉर्म-6 ऑनलाइन भरकर आवेदन कर सकते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं से भी बीएलओ पुनः संपर्क करेंगे। अभियान के दौरान जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में गठित निर्वाचक साक्षरता क्लब के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी।

अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा स्कूल-कॉलेजों के निर्वाचक साक्षरता क्लब के नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

पुसरा में नाटक प्रतियोगिता, सालिक साय ने बढ़ाया कलाकारों का उत्साह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कांसाबेल/जशपुर। ग्राम पंचायत पुसरा में आयोजित नाटक प्रतियोगिता में जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों की कला की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

साय ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के साथ लोक कला, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संदेश देने का भी माध्यम हैं।

उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति और ग्रामीणों को बधाई दी।

कार्यक्रम में उपसरपंच बालेश्वर चक्रेश, बीडीसी खगेंद्र साय, सरपंच अनक साय, परमेश्वर चक्रेश, मुकेश यादव, नरसिंह साहू, अभिषेक पैंकरा और विजय साय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कुनकुरी–पत्थलगांव सड़क निर्माण में आई तेजी, जल्द पूरी होने की उम्मीद

- 125 करोड़ रुपये की लागत से 65 किलोमीटर सड़क का निर्माण जारी, पुल-पुलियों के काम में भी तेजी
- कुनकुरी, कांसाबेल और पत्थलगांव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले की महत्वपूर्ण कुनकुरी–पत्थलगांव सड़क के निर्माण कार्य में तेजी आई है। करीब 125 करोड़ रुपये की लागत से 65 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण जारी है। सड़क के साथ पुल-पुलियों का निर्माण भी कराया जा रहा है। कार्य पूरा होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

कुनकुरी से कांसाबेल होते हुए पत्थलगांव को जोड़ने वाला यह मार्ग जिले की यातायात व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से राजधानी रायपुर सहित अन्य क्षेत्रों की ओर आवागमन भी होता है। लंबे समय से सड़क निर्माण पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को कार्य में तेजी आने से राहत की उम्मीद जगी है। निर्माणाधीन हिस्सों में काम आगे बढ़ाया जा रहा है। वहीं, आवागमन सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक स्थानों पर डायवर्सन की व्यवस्था भी की गई है।

पुल-पुलियों के निर्माण पर विशेष जोर

सड़क मार्ग में पड़ने वाले नालों और जल निकासी वाले स्थानों पर पुल-पुलियों का निर्माण कराया जा रहा है। बरसात के दौरान जलभराव और आवागमन में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए इन संरचनाओं का निर्माण महत्वपूर्ण है। कार्य पूरा होने के बाद सड़क पर यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम होने की उम्मीद है।

व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा लाभ

कुनकुरी, कांसाबेल और पत्थलगांव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सड़क आवागमन का प्रमुख माध्यम है। सड़क बेहतर होने से विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इसके अलावा कृषि उपज के परिवहन, स्थानीय व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

गुणवत्ता और समय-सीमा पर ध्यान

परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण पूरा होने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था मजबूत होगी तथा लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कुनकुरी–पत्थलगांव सड़क का निर्माण पूरा होना जिले की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे लोगों की दैनिक आवाजाही आसान होने के साथ क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। वर्षों से बेहतर सड़क सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों को अब परियोजना के शीघ्र पूरा होने का इंतजार है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह